page 1 and 8 may 13_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/13/2026 1:05 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में बास्केटबॉल प्रतियोगिता आयोजित

5 आईपीएल 2026: धीमी ओवर गति के कारण अक्षर पटेल पर लगा 12 लाख का जुर्माना

8 अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस पर सर्विस रूल की मांग को लेकर स्वास्थ्य कर्मियों का विरोध

मौसम जम्मू — न्यूनतम 27 — अधिकतम 39

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-115 | जम्मू तवी, बुधवार 13 मई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

उपराज्यपाल बारामूला में नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान की पदयात्रा में हुए शामिल

- परिवार और समुदाय बनेंगे सबसे बड़ा सुरक्षा कवच
- 31 दिनों में 2.35 लाख से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित
- दवा दुकानों में लगाए गए लगभग 3,000 सीसीटीवी कैमरे

उपराज्यपाल ने अगले 69 दिनों के लिए अभियान के तहत दो नवाचारी स्तंभों – ड्रग्स के खिलाफ सामुदायिक प्रतिरक्षण कार्यक्रम और फैमिली फोर्ट्रेस पहल – की शुरुआत की घोषणा की

श्रीनगर, 12 मई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल आज बारामूला में आयोजित नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान में शामिल हुए, जहाँ उन्होंने नागरिकों के साथ संवाद किया और पदयात्रा में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने अगले 69 दिनों के लिए दो नवाचारी पहलों – ड्रग्स के खिलाफ सामुदायिक प्रतिरक्षण कार्यक्रम और फैमिली फोर्ट्रेस पहल – की शुरुआत की घोषणा भी की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि जिस प्रकार समाज को बैक्टीरिया और वायरस के खिलाफ टीकाकरण के लिए शिक्षित किया गया है, उसी प्रकार धार्मिक नेताओं और सामाजिक समूहों के सहयोग से प्रत्येक जिले के 5 से 10 संवेदनशील क्षेत्रों में नशे के खिलाफ सामुदायिक प्रतिरक्षण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं स्कूलों, मस्जिदों, मंदिरों, गुरुद्वारों और स्वयंसेवी संस्थाओं से अपील करता हूँ कि वे प्रत्येक सप्ताह एक घंटा इस अभियान को जागरूकता के माध्यम से मजबूत करने के लिए समर्पित करें। यह पहल एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली की तरह काम करेगी, जो संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी करते हुए उन्हें पूर्ण रूप से नशामुक्त बनाने में सहायता करेगी। उपराज्यपाल ने कहा कि फैमिली फोर्ट्रेस पहल परिवार और समुदाय की मजबूत सामाजिक संरचना को नशे की लत के खिलाफ अंतिम सुरक्षा कवच के रूप में विकसित करेगी। उन्होंने कहा, अगले 69 दिनों तक जम्मू-कश्मीर के प्रत्येक स्कूल, कॉलेज और धार्मिक स्थल पर नशे के विषय पर साप्ताहिक पारिवारिक संवाद आयोजित किए जाएँ। ये संवाद खुले और ईमानदार होने चाहिए तथा स्थानीय स्तर पर अभियान की समीक्षा के साथ आयोजित किए जाएँ ताकि कमियों की पहचान कर उन्हें दूर किया जा सके। उपराज्यपाल ने बताया कि पिछले 31 दिनों में जम्मू-कश्मीर में 2,35,000 से अधिक जागरूकता एवं जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। 44,000 से अधिक ओपीडी मरीजों का उपचार किया गया है, लगभग 700 नशा तस्करों और ड्रग पेडलरों को गिरफ्तार किया गया है तथा नशे की आपूर्ति श्रृंखला के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा, कार्रवाई के दौरान ड्रग कार्टेल से जुड़े प्रत्येक वित्तीय लेन-देन को निशाना बनाया गया है। बड़े तस्करों की नशे की कमाई से बनाई गई करोड़ों रुपये की संपत्तियाँ जब्त की गई हैं। जम्मू और कश्मीर दोनों संभागों में ड्रग तस्करों से जुड़े 300 ड्राइविंग लाइसेंस और 400 से अधिक वाहन पंजीकरण रद्द करने की सिफारिश की गई है। उन्होंने बताया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने भारी मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। 3,300 से अधिक दवा दुकानों का निरीक्षण किया गया है तथा

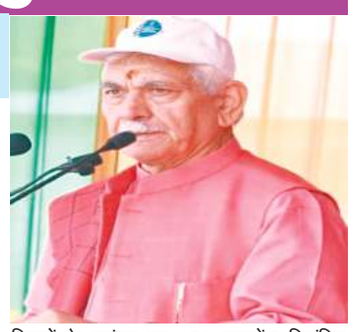

नियमों के उल्लंघन पर 150 लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। उपराज्यपाल ने कहा कि पूरे केंद्र शासित प्रदेश में दवा दुकानों पर लगभग 3,000 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। PIT-NDPS अधिनियम के तहत दो दर्जन से अधिक तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, मैं जनता को आश्वस्त करता हूँ कि हम ड्रग तस्करों के हर रुपये, हर संपत्ति और शेल कंपनियों का पीछा करेंगे तथा हमारे युवाओं का भविष्य बर्बाद करने वालों को कठोरतम सजा सुनिश्चित करेंगे।

उपराज्यपाल ने कहा कि जनता के समर्थन से यह अभियान जम्मू-कश्मीर में एक ऐतिहासिक जनआंदोलन का रूप ले चुका है और इससे पहले किसी सामाजिक अभियान में इतनी व्यापक भागीदारी देखने को नहीं मिली।

उन्होंने बताया कि पिछले 31 दिनों में टेली-मानस परामर्श और सहायता के लिए लगभग 3,000 कॉल प्राप्त हुई हैं।

जम्मू कश्मीर में चूना पत्थर के 12 ब्लॉक की ई-नीलामी का दूसरा दौर शुरू

श्रीनगर, 12 मई। खान मंत्रालय ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में स्थित चूना पत्थर (लाइमस्टोन) के 12 ब्लॉक की ई-नीलामी का दूसरा चरण शुरू कर दिया है। खान मंत्रालय के सचिव पीयूष गोयल ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में ई-नीलामी के इस दौर की शुरुआत की। इनमें नए पहचाने गए ब्लॉक और दूसरी बार नीलामी के लिए रखे गए ब्लॉक शामिल हैं।

खान मंत्रालय के सचिव पीयूष गोयल ने आधिकारिक तौर इसका शुभारंभ करते हुए प्रक्रियाओं को सरल बनाने, पारदर्शिता को मजबूत करने और खनन क्षेत्र में व्यापार करने में आसानी में सुधार के लिए मंत्रालय द्वारा किए गए परिवर्तनकारी सुधारों और संशोधनों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जम्मू और कश्मीर में अपार खनिज क्षमता है और इन ब्लॉकों की नीलामी और परिचालन आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास के माध्यम से विकसित भारत, विकसित जम्मू और कश्मीर और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान देगा।मंत्रालय ने कहा कि अनंतनाग, राजौरी और पुंछ जिलों में फैले कुल 12 चूना पत्थर ब्लॉकों को ट्रेंच II के तहत नीलामी के लिए रखा गया है। इनमें खनिज (नीलामी) नियम, 2015 (संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार नए पहचाने गए ब्लॉक और दूसरे प्रयास के तहत पुन-नीलामी किए जाने वाले ब्लॉक दोनों शामिल हैं। इन ब्लॉकों को संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क वर्गीकरण (यूएनएफसी) के जी-3 और जी-4 चरणों के तहत वर्गीकृत किया गया है और उम्मीद है कि विशेष रूप से सीमेंट और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों से मजबूत उद्योग हित आकर्षित होगा।

खबर संक्षेप

मादक पदार्थों की तस्करी से प्राप्त आय से अर्जित 10,07,300 रुपये की अचल संपत्ति जब्त

शोपियां, 12 मई । दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में पुलिस ने मंगलवार को मादक पदार्थों की तस्करी से प्राप्त आय से अर्जित 10,07,300 रुपये की अचल संपत्ति जब्त कर ली है। पुलिस के अनुसार 14 मरला की यह संपत्ति इमामसाहिब क्षेत्र के नादेंद्र ट्रेंज निवासी अब रहमान डार के पुत्र अर्शीद अहमद डार की है। अधिकारियों ने बताया कि संपत्ति की पहचान मादक पदार्थों के अवैध व्यापार से अर्जित आय के रूप में की गई है और इमामसाहिब पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर संख्या 34/2023 के तहत इसे जब्त किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए पुलिस दल, कार्यकारी मजिस्ट्रेट, लंबरदार और चौकीदार की उपस्थिति में कुर्की की कार्यवाही की गई। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई क्षेत्र में मादक पदार्थों के नेटवर्क के खिलाफ चल रहे अभियान का हिस्सा है जिसका लक्ष्य मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल व्यक्तियों और उनसे प्राप्त संपत्तियों को जब्त करना है।

वांछित अपराधी अवनीत सिंह उर्फ नागी गिरफ्तार

जम्मू, 12 मई । जम्मू पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध हथियारों के खिलाफ चल रहे अपने अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और उसके पास से व्यावसायिक मात्रा में हेरोइन जैसा पदार्थ, एक अवैध पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। उसके खिलाफ 17 एफआईआर दर्ज थीं। बहू फोर्ट पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने 12 मई 2026 को लगभग 00-30 बजे नरवाल-पनामा चौक मार्ग पर रेलवे पुल नरवाल के पास नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका जिसने पुलिस दल को देखकर नाके से बचने की कोशिश की। तलाशी और व्यक्तिगत जांच के दौरान उसके पास से तीन जिंदा कारतूसों से भरी एक ग्लॉक पिस्तौल और लगभग 266.35 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ (चिट्टा), जिसमें पॉलीथीन के पैकेट भी शामिल थे बरामद किए गए।

उधमपुर प्रशासन ने जिले में भारतीय सेना की नई वर्दी की अनधिकृत बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया

जम्मू, 12 मई । उधमपुर प्रशासन ने मंगलवार को जिले में भारतीय सेना की नई छलावरण वर्दी की अनधिकृत बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है ताकि प्रतिरूपण और दुरुपयोग के मामलों को रोका जा सके। वर्दी के दुरुपयोग की रिपोर्टों के बाद यह आदेश जारी किया गया है जिससे यह चिंता बढ़ गई है कि असामाजिक तत्व इसका दुरुपयोग करके सेवारत कर्मियों का रूप धारण कर सकते हैं।

अधिकारियों ने कहा कि ऐसी घटनाएं सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं और इन पर सख्ती से अंकुश लगाया जाना चाहिए। जिला मजिस्ट्रेट मिंगा शेरपा जिन्होंने प्रतिबंध आदेश जारी किया ने कहा कि उधमपुर में महत्वपूर्ण सैन्य उपस्थिति है और यह उत्तरी कमान के मुख्यालय सहित कई रक्षा प्रतिष्ठानों के निकट स्थित है जिससे यह मुद्दा विशेष रूप से संवेदनशील हो जाता है।

उन्होंने पत्रकारों को बताया कि प्रशासन द्वारा एक आदेश जारी किया गया है जिसमें भारतीय सेना की नई छलावरण वर्दी की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य प्रतिरूपण के मामलों को रोकना और यह सुनिश्चित करना है कि अधिकृत सामग्री और कपड़े का उपयोग केवल अधिकृत सेवा कर्मियों द्वारा ही किया जाए जिससे दुरुपयोग की संभावना समाप्त हो जाए। अधिकारी ने कहा कि इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में सेना के जवान मौजूद होने के कारण यहां सेना से संबंधित कई दुकानें हैं। इसीलिए यह प्रतिबंध लगाया गया है।

केंद्र से राजस्व के नुकसान की भरपाई हो तो जम्मू-कश्मीर में शराब पर प्रतिबंध संभव : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर, 12 मई। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि अगर केंद्र राजस्व के नुकसान की भरपाई कर दे, तो जम्मू-कश्मीर सरकार दो मिनट में शराब पर प्रतिबंध लगा सकती है। शराब की दुकानों पर चल रहे विवाद पर अब्दुल्ला ने 1977 की एक घटना को याद करते हुए कहा कि तत्कालीन प्रधान मंत्री मोरारजी देसाई ने उनके पिता जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री शेख अब्दुल्ला से राज्य में शराब की बिक्री बंद करने के लिए कहा था। मेरे पिता ने उनसे कहा कि अगर केंद्र हमें इससे मिलने वाला राजस्व दे दे, तो हम इसे बंद कर देंगे पर कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अगर आज केंद्र राजस्व के नुकसान की भरपाई करता है, तो सरकार दो मिनट में शराब पर प्रतिबंध लगा सकती है। नेकां अध्यक्ष ने तर्क दिया कि इस मुद्दे का विरोधी राजनीतिकरण कर रहे हैं। विपक्षी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी पर निशाना साधते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि वे हर बात पर हमारी आलोचना करने को तैयार हैं। उन्हें लगता है कि हम उनसे डरते हैं, लेकिन हम उन्हें इस तरह हराएंगे कि वे याद रखेंगे। दरअसल, शराब की

खपत पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी को लेकर हाल ही में जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने उन पर मुस्लिम बहुल क्षेत्र की संवेदनशीलता की अनदेखी करने का आरोप लगाया। रविवार को उमर ने कहा था कि किसी को भी शराब पीने के लिए मजबूर नहीं किया जा रहा है और लोग अपनी मर्जी से शराब की दुकानों पर जाते हैं। इस टिप्पणी की विपक्षी दलों और जनता के एक वर्ग ने आलोचना की। एक दिन बाद मुख्यमंत्री ने अपने बयान को स्पष्ट करने की मांग करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणियों को राजनीतिक विरोधी तोड़ मरोड़कर पेश कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में 17 लाख कनाल से अधिक सरकारी भूमि पर भू-माफियाओं का कब्जा

अतिक्रमण के मामले में राजौरी राज्य के सभी 20 जिलों में शीर्ष पर

जम्मू, 12 मई । जम्मू और कश्मीर में 17 लाख कनाल से अधिक सरकारी भूमि पर भू-माफियाओं का अतिक्रमण पाया गया है। जम्मू डिवीजन में 14 लाख कनाल से अधिक भूमि का अतिक्रमण हुआ है, जो कश्मीर डिवीजन के आंकड़े से तीन गुना से भी अधिक है। अतिक्रमण के मामले में राजौरी राज्य के सभी 20 जिलों में शीर्ष पर है। सरकार के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार जम्मू और कश्मीर में राजस्व अभिलेखों से लगभग 17,27,247 कनाल अतिक्रमित सरकारी भूमि के दस्तावेज हटा दिए गए हैं। कुल आंकड़ों में से जम्मू डिवीजन में 14,00,051 कनाल और पांच मरला अतिक्रमित सरकारी भूमि के दस्तावेज राजस्व अभिलेखों से हटाए गए जबकि कश्मीर डिवीजन में 3,27,199 कनाल भूमि के दस्तावेज दर्ज किए गए। आंकड़ों से क्षेत्रीय स्तर पर स्पष्ट अंतर सामने आया है। जम्मू डिवीजन के सात जिलों में से प्रत्येक में एक लाख कनाल से अधिक सरकारी भूमि पर अतिक्रमण दर्ज किया गया है, जबकि राजौरी और रियासी के दो जिलों में यह आंकड़ा दो लाख कनाल से अधिक है। इसके विपरीत कश्मीर डिवीजन के 10 जिलों में से किसी में भी एक लाख कनाल से अधिक अतिक्रमण दर्ज नहीं किया गया है। आंकड़ों के अनुसार घाटी में केवल बारामूला और कुपवाडा में ही 50,000 कनाल का आंकड़ा पार हुआ है। आंकड़ों से यह भी पता चला है कि जम्मू और श्रीनगर के दोनों राजधानी जिलों में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण में व्यापक असमानता है। जम्मू जिले में 1,45,487 कनाल और छह मरला भूमि पर अतिक्रमण हुआ है जबकि श्रीनगर में 13,862.95 कनाल भूमि पर अतिक्रमण हुआ है। इससे पता चलता है कि अकेले जम्मू जिले में श्रीनगर की तुलना में दस गुना से अधिक सरकारी भूमि पर अतिक्रमण है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार राजौरी जिला सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के मामले में जम्मू और कश्मीर का सबसे अधिक प्रभावित जिला बनकर उभरा है जहां 2.73 लाख कनाल भूमि पर अवैध कब्जा पाया गया है। राजौरी में सबसे अधिक 2,73,848 कनाल और 12 मरला सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हुआ है जबकि रियासी में 2,26,857 कनाल और छह मरला तथा रामबन में 1,73,832 कनाल भूमि पर अतिक्रमण हुआ है। जम्मू जिले में 1,45,487 कनाल और छह मरला भूमि पर अतिक्रमण दर्ज किया गया, वहीं कठुआ में 1,30,403 कनाल और 1.5 मरला भूमि पर अतिक्रमण हुआ है।

चिनार कोर ने बारामूला में कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए नायब सूबेदार को श्रद्धांजलि दी

श्रीनगर, 12 मई । सेना ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में ऑपरेशनल ड्यूटी के दौरान शहीद हुए नायब सूबेदार हीरा बहादुर पांडे के सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि दी।

श्रीनगर स्थित सेना की चिनार कोर ने घटना के सटीक कारणों का खुलासा नहीं किया लेकिन सूत्रों के अनुसार जिले के रफीबाद इलाके में रात्रि गश्त के दौरान दुर्घटना में गिरने से जवान की मृत्यु हो गई।

एक्स पर एक पोस्ट में चिनार कोर ने कहा कि चिनार कोर बारामूला जिले में ऑपरेशनल ड्यूटी के दौरान शहीद हुए वीर नायब सूबेदार हीरा बहादुर पांडे के सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करता है। उनका साहस और समर्पण हमें हमेशा प्रेरित करता रहेगा।

चिनार योद्धा वीर के शौर्य और बलिदान को सलाम करते हैं।

हम शोक संतप्त परिवार के साथ एकजुटता से खड़े हैं और उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पुलिस ने ड्रग तस्कर की 1.2 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

श्रीनगर, 12 मई । श्रीनगर पुलिस ने गसू हजरतबल इलाके में एक कथित ड्रग तस्कर के लगभग 1.2 करोड़ मूल्य के आवासीय घर और जमीन को कुर्क कर लिया।

अधिकारियों ने कहा कि कुर्क की गई संपत्ति में एक दो मंजिला आवासीय घर के साथ-साथ बंदे लेन हजरतबल के निवासी और वर्तमान में गसू हजरतबल में रहने वाले अब्दुल मजीद खान के बेटे मकसूद हुसैन खान की जमीन भी शामिल है। पुलिस ने कहा कि पुलिस स्टेशन निगीन में धारा 8/20, 21, 29 एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 42/2023 और पुलिस स्टेशन गांदरबल में धारा 8/21 एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 20/2025 के संबंध में एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 68 (एफ) (1) के तहत यह कार्रवाई की गई।

जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाओं ने संचालन के पहले 10 दिनों में लगभग 45,000 यात्रियों को दी सेवा

पीआईबी दिल्ली, 12 मई ।

जब प्रधानमंत्री Narendra Modi ने 6 जून 2025 को ऐतिहासिक 272 किलोमीटर लंबे उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक का उद्घाटन किया, तब वह सपना साकार होने जैसा ऐतिहासिक क्षण था। इसके बाद 30 अप्रैल 2026 को केंद्रीय रेल मंत्री Ashwini Vaishnaw ने 20 डिब्बों वाली विस्तारित जम्मू तवी-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई।

2 मई से नियमित संचालन शुरू होने के केवल दस दिनों के भीतर, दोनों दिशाओं में चल रही चारों ट्रेन सेवाओं ने मिलकर 11 मई तक कुल 44,727 यात्रियों को यात्रा कराई, जिससे यह सेवा जम्मू-कश्मीर की जीवनरेखा बनकर उभरी। अपने संचालन के पहले ही सप्ताह में इन सेवाओं ने 8 मई तक 28,762 यात्रियों को सेवा प्रदान की।

चार ट्रेनों से मजबूत हुआ जम्मू-कश्मीर संपर्क

इस रेल कॉरिडोर पर वंदे भारत की दो जोड़ी सेवाएँ संचालित हो रही हैं—

* ट्रेन संख्या 26401 (जम्मू तवी से श्रीनगर) और वापसी सेवा 26402 (श्रीनगर से जम्मू तवी), जो मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलती हैं।
* ट्रेन संख्या 26403 (जम्मू तवी से श्रीनगर) और वापसी सेवा 26404 (श्रीनगर से जम्मू तवी), जो बुधवार को छोड़कर प्रतिदिन संचालित होती हैं।

इन सेवाओं के माध्यम से सप्ताह में कम से कम पाँच दिनों तक प्रतिदिन चार ट्रेन सेवाएँ जम्मू-कश्मीर कॉरिडोर को जोड़ती हैं। मंगलवार और बुधवार को भी दो ट्रेन सेवाएँ इस व्यस्त मार्ग पर यात्रियों को लगातार सुविधा प्रदान करती हैं।

अब इस 266 किलोमीटर लंबे मार्ग पर वंदे भारत की दो जोड़ी सेवाएँ संचालित हो रही हैं, जिससे यात्रियों को दोनों दिशाओं में प्रतिदिन कम से कम एक और अधिकांश दिनों में दो विकल्प उपलब्ध हैं।

बड़ी सफलता- जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत सेवाओं ने पहले ही सप्ताह में 28,762 यात्रियों को पहुँचाया गंतव्य तक

तीर्थयात्री, पर्यटक, स्थानीय निवासी और व्यापारी – सभी के लिए ये सेवाएँ इस गर्मी में भारत के किसी भी कोने से कश्मीर को और करीब ला रही हैं।

इस मनमोहक रेल मार्ग का आनंद उठाइए, जो आपको धरती के स्वर्ग कश्मीर तक बेहद किफायती किराये में पहुँचाता है, जबकि हवाई और सड़क यात्रा की तुलना में यह कहीं अधिक सस्ता और सुविधाजनक है।

जिन दिनों दोनों जोड़ी ट्रेनें चलीं, यात्रियों की संख्या लगभग पूरी क्षमता तक पहुँच गई—* 3 मई - 4,977 यात्री
* 8 मई - 4,955 यात्री
* 9 मई - 5,284 यात्री
* 10 मई - 5,657 यात्री
* 11 मई - 5,024 यात्री

पहले जहाँ 8 डिब्बों वाली ट्रेन पूरी भर जाती थी, वहीं अब 20 डिब्बों वाली ट्रेनें भी लगभग पूरी क्षमता के साथ चल रही हैं। यह दर्शाता है कि इस मार्ग पर यात्रा की मांग उपलब्ध सेवाओं से कहीं अधिक थी। जिन दिनों केवल एक जोड़ी ट्रेन संचालित हुई, उन दिनों भी 5 मई को 95.03 प्रतिशत और 6 मई को 94.79 प्रतिशत सीटें भरी रहीं। सप्ताहांत में यात्रियों की संख्या में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई। केवल शनिवार और

रविवार को ही लगभग 11,000 यात्रियों ने यात्रा की। 10 मई, रविवार को तो ट्रेनों की औसत सीट भराव क्षमता 98.21 प्रतिशत तक पहुँच गई, जो इस कॉरिडोर के पर्यटन संभावनाओं को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

ये आँकड़े केवल यात्री संख्या नहीं दर्शाते, बल्कि जम्मू और श्रीनगर के बीच यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों, छात्रों, सरकारी अधिकारियों और व्यापारियों के लिए बिना रुकावट वाली नई सुविधा का प्रतीक हैं। जो पर्यटक पहले कश्मीर यात्रा को कठिन मानते थे, वे अब वंदे भारत की आरामदायक सीटों से चिनाब और अंजी पुल जैसे इंजीनियरिंग चमत्कारों का आनंद लेते हुए यात्रा कर रहे हैं। विशेष बात यह है कि यह ट्रेन माइनस 20 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में भी संचालन के लिए तैयार की गई है। बर्फबारी या भूस्खलन के कारण जब राष्ट्रीय राजमार्ग कई दिनों तक बंद हो जाते हैं, तब भी यह ट्रेन विश्वसनीय संपर्क बनाए रखती है। जम्मू-श्रीनगर कॉरिडोर पर वंदे भारत सबसे किफायती यात्रा विकल्प बनकर उभरी है। भोजन सहित चेयर कार टिकट का किराया बजट एयरलाइन टिकट की तुलना में काफी कम है। साझा टैक्सी और निजी टैक्सी का खर्च भी इससे कहीं अधिक पड़ता है, जबकि सड़क मार्ग पर मौसम संबंधी बाधाओं का जोखिम अलग से रहता है।

हमारे अच्छे कर्मों से
खुश होते हैं भगवान

भगवान माला और माल से राजी नहीं होते, बल्कि हमारे कर्मों से प्रसन्न होते हैं। गीता निष्काम कर्मों के द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताती है। श्रेष्ठ कर्मों को ही सच्ची भक्ति समझो। इसीलिए अपने कर्मों को ही पूजा बना लो। जिस प्रकार कमल के पत्ते पानी में रहते हुए भी जल को अपने ऊपर नहीं आने देते। ऐसे ही निष्काम कर्मयोगी संसार में रहते हुए भी कर्मों के बंधन तथा मोह में आसक्त नहीं होते है। गीता संसार को कर्मशील व पुरुषार्थी होने का संदेश देती है। वह हमारे मन में स्वार्थ, लोभ, अहंकार से ऊपर उठकर निष्काम व परोपकार के कर्मों की भावना जागृत करती है। वह श्रेष्ठ कर्म करते हुए इहलोक तथा परलोक दोनों के लिए उन्नति करने के लिए प्रेरणा देती है। हे मनुष्यों, वर्तमान जीवन और जगत को कर्मों की सुगंध से भरते चलो। कर्त्तव्य व दायित्व को ईमानदारी व कुशलता से निभाओ। गीता कह रही है- योगः कर्मसु कौशलम् अर्थात जो भी कर्म करो, उसको पूर्णता, निपुणता, सुन्दरता और कुशलता से करो। जो इस तरह से जीवन को जीता है, गीता के अनुसार वह इस जीवन व जगत को सफल कर लेता है और उसका अगला जन्म भी सुधर जाता है।

तन के श्रृंगार में ही जो समय गंवा देते हैं वह इस नाशवान संसार में भटक कर रह जाते हैं लेकिन जो मन का श्रृंगार कर उसमें बैठे परमात्मा की आराधना करते है वह संसार की मलिनता से बच जाते हैं, वस्तुतः दुर्गुणों से ही जीवन में मलिनता आती है। इनसे बचने का एकमात्र उपाय वेद शास्त्र और पुराणों का मंथन करना तथा सज्जनों की संगति है। अतः हमें अपने कर्मों पर ध्यान देते हुए जीवन जीना चाहिए।

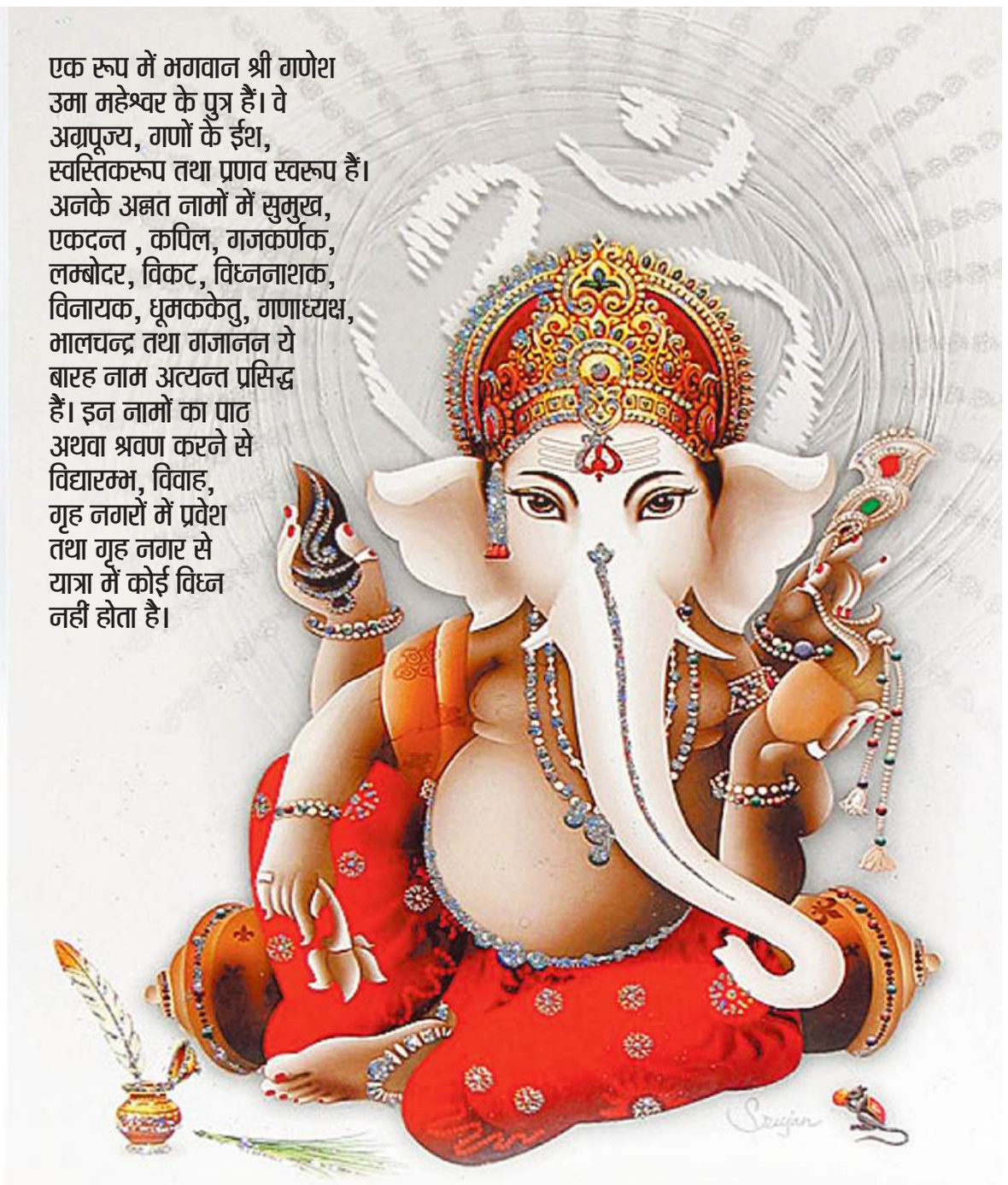

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमकेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

ऐसे पाइए रिद्धि सिद्धि के दाता
गणपति का आशीर्वाद...

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्बाह हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमश पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमकेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

भगवान गणपति के अनेक अवतार हुए हैं। उनके सभी चरित्र अनन्त हैं। पदम पुराण के अनुसार एक बार पार्वती जी ने अपने शरीर के मैल से एक पुरूषाकृति बनाई जिसका मुख हाथी के समान था। फिर उस आकृति को उन्होंने गंगा जल में डाल दिया। गंगा जल में पड़ते ही वह आकृति विशालकाय हो गई। पार्वती जी ने उसे पुत्र कहकर पुकारा देव समुदाय ने उन्हें गंगये कहकर सम्मान दिया और ब्रहमाजी ने उन्हें गणों का अधिपत्य प्रदान करके गणेश नाम दिया।

लिंग पुराण के अनुसार एक बार देवताओं ने भगवान शिव की उपासना करके उनसे सुरद्रोही दानवों के दुष्कर्म में विघ्न उपस्थित करने के लिए वर मांगा। आशुतोष शिव ने तथास्तु कहकर देवताओं को संतुष्ट कर दिया। समय आने पर गणेश जी का प्राकट्य हुआ। उनका मुख हाथी के समान था और उनके एक हाथ में त्रिशुल तथा दूसरे में पाश था। देवताओं ने सुमन वृष्टि करते हुए गजानन के चरणों में बारम्बार प्रणाम किया। भगवान शिव जी ने गणेश जी को दैत्यों के कार्यों में विघ्न उपस्थित करके देवताओं और ब्रहमाणों का उपकार करने का आदेश दिया।

प्रजापति विश्वकर्मा की सिद्धि बुद्धि नामक दो कन्याएं गणेश जी की पत्नियां हैं। सिद्धि से क्षेम और बुद्धि से लाभ नामक शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। शास्त्रों और पुराणों में सिंह मयूर और मूषक को गणेश जी का वाहन बताया गया है। गणेश पुराण के क्रिड़ा खण्ड में उल्लेख है कि कृतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है। वे दस भुजाओं वाले, तेज स्वरूप तथा सब को वर देने वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता में उनका वाहन मयूर है, वर्ण श्वेत है तथा तीनों लोकों में वे मयूरेश्वर नाम से विख्यात हैं और छ भुजाओं वाले हैं। द्वापर में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं। कलयुग में उनका धूम्रवर्ण है। वे घोड़े पर आरूड़ रहते हैं। उनके दो हाथ हैं तथा उनका नाम धूम्रकेतू है। मोदक प्रिय गणेश जी विद्या बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता तथा थोड़ी उपासना से प्रसन्न हो जाते हैं। उनके जप का मंत्र ओम गं गणपतेय नमः है।

मनुष्य पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

पूजा पाठ के अंत में
हवन करने का क्या कारण है?

सृष्टि के सभी तत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश के विभिन्न संयोजनों से बने हैं। जगत का ही एक अंश होने के कारण मनुष्य भी इन्हीं पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

हमारे ऋषि अग्नि की इस विशेषता से भली भांति परिचित थे और इसीलिए हवन और दूसरे सभी वैदिक कर्मों में अग्नि का विशेष महत्त्व होता है। हवन मात्र एक कर्मकांड नहीं बल्कि एक योगी के लिए उन दिव्य शक्तियों से वार्तालाप का माध्यम है जो इस सृष्टि को चलाती हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे तत्त्व शुद्ध नहीं हैं जिनसे मनुष्य बना है। जिस प्रकार इस संसार में पृथ्वी, जल, वायु व आकाश प्रदूषित हो जाते हैं, उसी प्रकार से मानव शरीर में भी इन तत्त्वों का प्रदूषित होना संभव है। यह प्रदूषण मनुष्य को पतन अथवा विकृति की ओर धकेलता है। मनुष्य में इन तत्त्वों के प्रदूषण का पता लगाना अति सरल है। पृथ्वी तत्त्व के दूषित होने से व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठित पद और भव्य जीवन शैली जैसी सुविधाएं पाने की इच्छाएं बेलगाम होने लगती हैं।

जब जल तत्त्व दूषित होता है तो अप्राकृतिक काम इच्छा जागृत होने लगती है। वैदिक शास्त्र अपनी स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करने के लिए नहीं कहता। अग्नि तत्त्व को दूषित नहीं किया जा सकता। योग और सनातन क्रिया की साधना से साधक अग्नि तत्त्व के अनुकूल स्तर बनाए रख सकता है। वायु तत्त्व यह निश्चित करता है कि हृदय व फ़ेफड़े ठीक से कार्य करें। इस तरह रक्त संचार प्रणाली और श्वास प्रणाली भी सही काम करती रहती है। अंत में दूषित आकाश तत्त्व के कारण थायरायड व पैराथायरायड ग्रंथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है। मात्र एक हवन में ही यह क्षमता होती है कि मनुष्य के सभी दोष समाप्त हो सकें।

कैसे हनुमान जी आपका लॉकर सदा धन से भरा रखेंगे

जीवन की समस्त अवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है। कुछ लोग कम मेहनत करने पर भी अधिक धन संचित कर लेते हैं तो कुछ लोगों को कड़ी मेहनत के उपरांत भी उनकी मेहनत के अनुरूप धन नहीं मिल पाता। कई लोग ऐसे होते हैं जो कमाई तो अच्छी कर लेते हैं, लेकिन आगे के लिए कुछ बचा नहीं पाते। अगर धन का अगमान ठीक भी हो तो बढ़े हुए खर्च के कारण धन संबंधी परेशानी बनी रहती है। आप जब भी बैंक जाएं तो मन ही मन महालक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से बैंक में जमा पैसे पर महालक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी और उस पैसे में निरंतर बढ़ौतरी होती रहेगी।

ऊँ महालक्ष्म्यै नमः, ऊँ ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

निम्न पंक्तियों का प्रतिदिन जाप करने से हनुमान जी के साथ साथ यम, कुबेर एवं अन्य देवी-देवताओं की भी कृपा प्राप्त होगी। कुबेर देव की अनुकम्पा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा और सदा धन से भरा रहेगा।

जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने पर कुबेर जी अपना खजाना उनके भक्तों के लिए खोल देते हैं इसलिए मां लक्ष्मी के साथ साथ कुबेर जी का चित्र

अथवा श्री रूप घर में स्थापित करें। वास्तु शास्त्र के मतानुसार मां लक्ष्मी और कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप उत्तर दिशा की ओर स्थापित करें। इससे उत्तर दिशा सक्रिय होगी एवं धन आगमन में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश होगा।

इन महाविद्याओं से सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है

शिवपुराण के मतानुसार भगवान शिव शंकर के दस अवतारों में आदशक्ति मां दुर्गा समस्त अवतारों में उनके साथ अवतरित हुई थी। दस महाविद्यायों के नाम से जानी जानें वाली महामाया मां जगत् जननी दुर्गा के ये दस रूप तांत्रिकों एवं उपासकों की आराधना का अभिन्न अंग हैं। इन महाविद्याओं के माध्यम से उपासक को बहुत सी सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा एवं भगवान शिव शंकर के दस अवतार इस प्रकार हैं-

- भगवान शिव शंकर के महाकाल अवतार के समय देवी महाकाली के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के तारकेश्वर अवतार के समय देवी तारा के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भुवनेश अवतार के समय देवी भुवनेश्वरी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के षोडश अवतार के समय देवी षोडशी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भैरव अवतार के समय देवी जगदम्बा भैरवी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के छिन्नमस्तक अवतार के समय देवी छिन्नमस्ता के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के ध्रूमवान अवतार के समय धूमावती के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के बगलामुखी अवतार के समय देवी जगदम्बा बगलामुखी रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के मातंग अवतार के समय देवी मातंगी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के कमल अवतार के समय कमला के रूप में देवी उनके साथ अवतरित हुई।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

श्रीनगर में साकीना इटू ने कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए

सरकार की योग्यता आधारित अवसर प्रदान करने की प्रतिबद्धता दोहराई

श्रीनगर, 12 मई। शिक्षा, समाज कल्याण, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री साकीना इटू ने आज कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार जम्मू-कश्मीर के युवाओं को योग्यता और पारदर्शिता के आधार पर समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही कर्मचारियों को योग्यता आधारित पदोन्नति देकर संस्थागत विकास और प्रभावी जनसेवा सुनिश्चित की जा रही है। मंत्री ने यह बात आज एससीईआरटी सभागार बेमिना में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही, जहाँ उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग के 25 आकस्मिक वेतनभोगी कर्मचारियों, जिन्हें बहु-कार्यकारी स्टाफ के रूप में नियमित किया गया, को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इसके अलावा 14 प्रयोगशाला सहायकों को शिक्षक पद पर पदोन्नति आदेश भी प्रदान किए गए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, जम्मू-कश्मीर शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष गुलाम हसन शेख, निदेशक स्कूल शिक्षा कश्मीर नसीर अहमद वानी, संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा केंद्रीय कश्मीर सैयद शब्बीर अहमद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री साकीना इटू ने सरकार की योग्यता और अनुभव आधारित अवसर सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष में लगभग 3,000 आकस्मिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नियमित किया गया है, जो रोजगार सुरक्षा और कैरियर उन्नति सुनिश्चित करने की दिशा में सरकार के निरंतर प्रयासों को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि कर्मचारी किसी भी संस्थान की रीढ़ होते हैं और उनकी निष्ठा छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मंत्री ने कहा कि पारदर्शी और योग्यता आधारित पदोन्नति कर्मचारियों की मेहनत को सम्मान देने के साथ-साथ उन्हें संस्थागत विकास और जनसेवा में अधिक प्रभावी योगदान देने के लिए प्रेरित करती है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, सीखने के परिणामों में सुधार लाने तथा शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए कई सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। कर्मचारियों को बधाई देते हुए मंत्री ने उनसे शिक्षा क्षेत्र और छात्रों के भविष्य के हित में ईमानदारी, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य जारी रखने का आग्रह किया।उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार कर्मचारी कल्याण, कैरियर विकास और संस्थागत प्रगति के लिए आवश्यक पहल जारी रखेगी। मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी ने इस पहल पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि कई कर्मचारी 25 से 27 वर्षों से नियमितीकरण की प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने लंबे समय से लंबित मामलों को सुलझाने के लिए व्यवस्थित और चरणबद्ध प्रक्रिया शुरू की है तथा हाल के महीनों में जम्मू और श्रीनगर दोनों स्थानों पर इसी प्रकार के आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने दोहराया कि सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों को प्राथमिकता दे रही है ताकि जनसेवा में सुधार हो सके और कर्मचारियों की वैध अपेक्षाओं को पूरा किया जा सके।

उपराज्यपाल ने बारामूला के वाइब्रेंट विलेज उरन बोवा का दौरा किया

हमारे सीमावर्ती गांवों के लोग, विशेषकर किसान, युवा और महिलाएं, राष्ट्र सेवा में असाधारण जिम्मेदारी निभा रहे हैं : उपराज्यपाल

श्रीनगर, 12 मई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज बारामूला के वाइब्रेंट विलेज उरन बोवा का दौरा किया, विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा की तथा एक जनसभा को संबोधित किया। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सीमावर्ती गांवों की दिल्ली से दूरी कम हुई है। ये गांव अब विकास की मुख्यधारा से जुड़ चुके हैं और भारत सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि सीमावर्ती गांव समावेशी विकास का प्रतीक बनें।

उन्होंने कहा, हमारे सीमावर्ती गांवों के लोग, विशेषकर किसान, युवा और महिलाएं, राष्ट्र सेवा में असाधारण जिम्मेदारी निभा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सीमावर्ती गांवों की दिल्ली से दूरी कम हुई है। ये गांव विकास की मुख्यधारा से जुड़ चुके हैं और भारत सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि सीमावर्ती गांव समावेशी विकास का प्रतीक बनें। यह उल्लेखनीय है कि वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत भारत सरकार ने

चयनित सीमावर्ती गांवों के समावेशी विकास के लिए एक सुव्यवस्थित पहल शुरू की है। इस कार्यक्रम के चार प्रमुख क्षेत्र हैं, जो सीमावर्ती इलाकों में विकास के नए युग की नींव रखेंगे। इनमें हर मौसम में सड़क संपर्क, घर-घर बिजली, दूरसंचार सुविधा तथा टेलीविजन कनेक्टिविटी शामिल हैं। उपराज्यपाल ने कहा, मेरा दृढ़ विश्वास है कि सड़कें नई संभावनाओं के द्वार खोलती हैं। वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत शामिल सभी 18 गांव अब हर मौसम में सड़क संपर्क से जुड़ चुके हैं। बारामूला के सभी 83 सीमावर्ती गांवों को जोड़ने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है और बहुत जल्द जम्मू-कश्मीर का प्रत्येक सीमावर्ती गांव देश की आर्थिक मुख्यधारा तथा अन्य प्रमुख शहरों से जुड़ जाएगा।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 से पहले इन 18 रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण गांवों में दूरसंचार और डिजिटल कवरेज 40 प्रतिशत से भी कम था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अब इन क्षेत्रों में 100 प्रतिशत 4जी और 5जी कनेक्टिविटी सुनिश्चित की गई है। उपराज्यपाल ने सीमावर्ती गांवों के निवासियों को आश्वस्त किया कि डिजिटल क्रांति केवल शहरों तक सीमित नहीं रहेगी। प्रशासन प्रत्येक सीमावर्ती गांव तक मजबूत डिजिटल ढांचा और विश्वसनीय मोबाइल एवं इंटरनेट सेवाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाया जा रहा है तथा समृद्ध समाज के निर्माण के लिए उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा रहा है। उपराज्यपाल ने दोहराया कि प्रशासन तीन प्रमुख मानकों पर कार्य कर रहा है— साक्षरता दर में सुधार, आर्थिक विकास सुनिश्चित करना तथा उरन बोवा जैसे गांवों के युवाओं के लिए रोजगार और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना। उन्होंने कहा, सीमावर्ती क्षेत्रों के युवाओं और महिलाओं को अब स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं। शिक्षा ढांचे के विस्तार से नई पीढ़ी को व्यावसायिक प्रशिक्षण मिल रहा है। सीमावर्ती पर्यटन, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में नई क्रांति ने इन 18 महत्वपूर्ण गांवों में समृद्धि की नई किरण जगाई है।

उपराज्यपाल ने विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित 94 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं तथा वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम-द्वितीय के तहत 83 वाइब्रेंट गांवों में प्रमुख आधारभूत संरचना परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

एडीसी ने वैदिक शिक्षा और गौसेवा को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया

जम्मू, 12 मई (हि.स.)। मंगकवर को महर्षि दयानंद गौशाला और स्वामी श्रद्धानंद गुरुकुल के संरक्षक चंदन दत्ता ने जम्मू की एडीसी अनुसूया जम्वाल से मुलाकात कर उन्हें स्वामी श्रद्धानंद गुरुकुल की वैदिक शिक्षा प्रणाली और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि गुरुकुल का उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को वैदिक शिक्षा एवं संस्कार प्रदान करना है।

चंदन दत्ता ने एडीसी को महर्षि दयानंद गौशाला के बारे में भी जानकारी दी जिसकी स्थापना गौमाता की सेवा और संरक्षण के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने बताया कि गौशाला में गौसेवा के साथ-साथ सामाजिक एवं धार्मिक मूल्यों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुलाकात के दौरान एडीसी ने कहा कि वे बचपन से ही वैदिक परंपरा से जुड़ी रही हैं और गुरुकुल की शिक्षा पद्धति से भलीभांति परिचित हैं। इस अवसर पर उन्होंने गौशाला प्रबंधन समिति को चारों वेद और भगवद गीता की पुस्तकें भेंट कीं।

गुरुकुल और गौशाला प्रबंधन ने इसे सम्मान और प्रेरणा का प्रतीक बताते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

चंदन दत्ता ने एडीसी से अनुरोध किया कि गौशाला में पशुओं की नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए डॉक्टरों की टीम भेजी जाए तथा सुरक्षा की दृष्टि से संबंधित पुलिस स्टेशन की गश्ती टीम रात के समय गुरुकुल का दौरा करे ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

अनुसूया जम्वाल ने इस सामाजिक एवं धार्मिक कार्य में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जारी किए।

उन्होंने बच्चों में वैदिक शिक्षा और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए गुरुकुल प्रबंधन के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर पुरानी मंडी आर्य समाज के अध्यक्ष अरुण आर्य, सचिव रवि, शोभित शास्त्री, अनिल गैंद और सेठी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

युवा राजपूत सभा-जम्मू कश्मीर ने निकाली नशा विरोधी जागरूकता रैली

जम्मू, 12 मई (हि.स.)। युवा राजपूत सभा-जम्मू कश्मीर के 14वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर मंगलवार को जम्मू में नशे के खिलाफ एक भव्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का उद्देश्य समाज विशेषकर युवाओं को नशे के बढ़ते खतरे के प्रति जागरूक करना था।

रैली ऐतिहासिक महाराजा हरि सिंह पैलेस से शुरू होकर महाराजा हरि सिंह प्रतिमा पर संपन्न हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और संगठन के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतिभागियों ने नशे को भगाना है, देश को बचाना है, बंद करो बंद करो, नशे का धंधा बंद करो और सेव फ्यूचर, से नो टू ड्रग्स जैसे नारों के माध्यम से समाज को जागरूक किया।

इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष मनदीप सिंह रिम्पी ने कहा कि नशा आज युवाओं के भविष्य के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है और इसके खिलाफ समाज को एकजुट होकर लड़ाई लड़नी होगी। उन्होंने कहा कि केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं है बल्कि अभिभावकों, शिक्षकों, धार्मिक संगठनों और सामाजिक संस्थाओं को भी युवाओं को सही दिशा देने के लिए आगे आना होगा।

सभा के कोर कमेटी सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष राजन सिंह हैप्पी ने कहा कि नशा युवाओं के भविष्य, परिवारों और समाज को बर्बाद कर रहा है। उन्होंने जमीनी स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल देते हुए युवाओं की बड़ी भागीदारी की सराहना की।

नशा मुक्ति अभियान को मजबूती, जीएमसी कठुआ के डि-एडिक्शन सेंटर में 10 बेड से बढ़कर 22

कठुआ, 12 मई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा चलाए जा रहे 100 दिवसीय नशा मुक्ति जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जीएमसी कठुआ के डि-एडिक्शन (नशा छुड़ाओ) केंद्र में बेड की संख्या 10 से बढ़ाकर 22 कर दी गई है, ताकि नशे से जूझ रहे लोगों को बेहतर इलाज और सुविधाएं मिल सकें।

जीएमसी कठुआ के प्रिंसिपल डॉ. सुरेंद्र कुमार अत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि नेशनल मेडिकल कमिशन के दिशा-निर्देशों के तहत पिछले दो वर्षों से केंद्र में 10 बेड की सुविधा संचालित की जा रही थी, जिसे अब बढ़ाकर 22 कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद है, जो नशा पीड़ितों के उपचार और पुनर्वास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। डॉ. अत्री ने यह भी बताया कि समाज के कई उच्च वर्ग के लोग नशा मुक्ति केंद्र में आने से कतराते हैं, क्योंकि वे अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं करना चाहते। उन्होंने इसे नशा उन्मूलन की दिशा में एक बड़ी चुनौती बताया।

उन्होंने नशा पीड़ितों और उनके परिजनों से अपील करते हुए कहा कि इलाज की दिशा में पहला कदम परिवार को ही उठाना होगा। यदि परिजन आगे बढ़कर अपने बच्चों और सदस्यों का उपचार कराएं तभी उन्हें नशे की लत से बाहर निकाला जा सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी के सामूहिक प्रयासों से ही जम्मू-कश्मीर को नशा मुक्त बनाया जा सकता है।

परगवाल में सेना द्वारा इंटर पंचायत वॉलीबॉल टूर्नामेंट का फाइनल आयोजित

जम्मू,, 12 मई (हि.स.)। अखनूर के परगवाल क्षेत्र में भारतीय सेना द्वारा आयोजित इंटर पंचायत वॉलीबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला आज बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। यह मुकाबला अपर परगवाल और लोअर परगवाल की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कैप्टन गंधार्ब स्कूल परगवाल में आयोजित इस फाइनल मैच के दौरान दर्शकों की भारी भीड़ मौजूद रही।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्याः– **22-2026-27-SrDEN3-FZR** दिनांक : **11.05.2026**

वरिष्ठ मंडल अभियन्ता–तृतीय/फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई–निविदाएं, अंतिम तिथि **01.06.2026 समय 15:00 बजे** तक **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल/संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते है। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल **www.ireps.gov.in** पोर्टल पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैकिंग, डेबिट कार्ड, व क्रेडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकस चेक, एफ.डी.आर. व रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नही हैं।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	बोली प्रणाली
खुला	कार्य	एकल पैकेट प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	बोली शुरू की तिथि	बोली समापन की तिथि तथा समय
08.05.2026	18.05.2026	01.06.2026 15:00 बजे

क्र.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण
1	22-2026-27-SrDEN3-FZR	जालधर सिटी – अमृतसर सेक्शन पर कि.मी. 436 से 437 के बीच रेलवे ट्रैक के नीचे से, 1400 मि.मी. अंदरूनी व्यास वाले एम.एस. एनकेसिंग और 1600 मि.मी. . अंदरूनी व्यास वाले एम.एस. हेवी ड्यूटी केसिंग पाइप के अंदर से गुजरने वाली 1200 मि.मी. अंदरूनी व्यास की एम.एस. कैरियर जल आपूर्ति पाइपलाइन का क्रॉसिंग; और जालंधर सिटी – नकोदर सेक्शन पर कि.मी. 3/5–6 पर एल.सी. संख्या B2–5 के पास रेलवे ट्रैक के नीचे से, 1200 मि.मी. व्यास वाले एम.एस. हेवी ड्यूटी केसिंग पाइप के अंदर से गुजरने वाली 700 मि.मी. व्यास की डी.आई. जल आपूर्ति पाइपलाइन का क्रॉसिंग का कार्य।

विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
1,09,27,226.56	2,18,600.00	60 दिन	09 महीने

सामान प्रकृति का कार्यः "पाइप और बॉक्स पुशिंग तकनीक का उपयोग करके पुलों का निर्माण/भूमिगत केबल, पाइपलाइन आदि को पार करना''

नोट : 1. निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जॉच करेंगे।
2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करे, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होगे।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ **1570/26**

शेर देखे जाने की अफवाह पर तहसीलदार ने किया नोटिस जारी

जम्मू, 12 मई(हि.स.)। पुंछ जिले में तहसीलदार हवेली ने उन लोगों को नोटिस जारी किया है जिन्होंने सोशल मीडिया पर और साक्षात्कारों के माध्यम से रिपोर्ट प्रसारित और पुष्टि की थी कि बनवत गांव में एक शेर को घूमते देखा गया था। प्रशासन ने कहा कि स्थानीय स्तर पर किए गए प्रारंभिक सत्यापन में जानकारी झूठी और भ्रामक पाई गई,ओ साथ ही कहा कि पूरे पीर पंजाल क्षेत्र में ऐसा कोई भी जंगली जानवर प्राकृतिक रूप से कभी नहीं पाया गया है या रिपोर्ट नहीं किया गया है। नोटिस में कहा गया है कि अफवाहों ने जनता के बीच दहशत पैदा कर दी है और चेतावनी दी है कि झूठी और असत्यापित जानकारी फैलाने पर संबंधित कानूनों के तहत कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में बास्केटबॉल प्रतियोगिता आयोजित

जम्मू, 12 मई (हि.स.)। केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू के ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह बॉयज हॉस्टल में विद्यार्थियों और शोधार्थियों के बीच खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव जैन के संरक्षण में किया गया जो विद्यार्थियों में खेलों के प्रति उत्साह बढ़ाने के लिए लगातार विभिन्न गतिविधियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। प्रतियोगिता हॉस्टल वार्डन प्रो. भारत भूषण की उपस्थिति में आयोजित हुई जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कई दौर में खेले गए मुकाबलों के बाद हॉस्टल की तीसरी मंजिल की टीम विजेता बनी।

विजेता टीम में अमन राणा0 हरमनप्रीत सिंह, गौरव कुमार सिंह, रचित, शुभ, प्रत्युष शर्मा, वासु आदित्य, नवेद उल हसन, मंतव्य, साहिल सिंह, बलजीत सिंह और साकिब खोखर शामिल रहे।

वहीं प्रथम मंजिल की टीम उपविजेता रही।

प्रतियोगिता के समापन पर प्रो. भारत भूषण ने विजेता खिलाड़ियों को पदक देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयुक्त हॉस्टल वार्डन डॉ. शशिकांत मिश्रा, डॉ. जसविंदर, डॉ. परवेश पाल तथा केयरटेकर पवन, राकेश और उपदेश का विशेष योगदान रहा।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL SHAKTI (PHE) DIVISION UDHAMPUR

Short Term E- Notice Inviting Tender 2nd time

NIT NO. 08 OF 2026-27 DATED 07-05-2026

For and on behalf of Lt. Governor of UT of Jammu & Kashmir, Executive Engineer, Jal Shakti (PHE) Division, Udhampur invite tenders by e-tendering mode on item rate from Tankers owners / firms / Contractor having GSTIN. Hiring of Four number water tanker (9000 KL - 10000 KL capacity) for providing water supply to general public in the drought prone / water scarcity areas falling under the jurisdiction of Jal Shakti (PHE) Division Udhampur District Udhampur for a period of 12 Months.

S.No	Particulars	Number of water Tanker	Cost of document/ tender fee (In Rs.)	Earnest Money (in Rs.) to be uploaded online	Performance Security (in Rs.) to be submitted by the successful bidder
1	**Hiring of Four number water tanker 9000 KL - 10000 KL capacity for providing water supply to general public in in the drought prone / water scarcity areas falling under the jurisdiction of Jal Shakti PHE Division Udhampur District Udhampur for a period of 12 Months.**	04 No.	500.00	55440.00	83160.00

1. Date of Publishing 07-05-2026.
2. Bid documents can be seen at and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 08-05-2026 from 11:00 (Hrs)
3. The Bids shall be deposited on the website http://jktenders.gov.in from 08-05-2026 (11:00 Hrs) to 15-05-2026 (1600 Hrs).
4. The complete bidding process will be online.
5. The Technical bids received shall be opened online on 16-05-2026 (1400 Hrs) in the office of Executive Engineer Jal Shakti PHE Division Udhampur.
6. The cost of tender documents (Non-refundable/ Non-Transferable) should be in the shape of e-challan/Treasury Receipt to be deposited in MH:0215-WSS (Revenue Head) or through RTGS in J&K Bank Branch Udhampur bearing Bank Account No. 0028010200000047, IFSC code JAKAOUDMPUR in favour of Executive Engineer, Jal Shakti (PHE), Division Udhampur.
7. The Financial bids of the bidders shall be opened online in the office of the Executive Engineer Jal Shakti PHE Division Udhampur and shall be communicated separately.
8. The irrevocable Performance Bank Guarantee of Rs. 83160.00 in the shape of CDR/FDR/ irrevocable Bank Guarantee shall have to be submitted before award of contract duly pledge to Executive Engineer, PHE Division Udhampur valid upto 60 days beyond the expire of the contract.
9. EMD of Rs. 55440/- shall be released on receipt of performance security of Rs. 83160.00 from the successful bidder.
10. The Bid documents consisting of instructions to Bidders (ITB), Bid Data Sheet (BDS), Qualification Criteria and Documents to be furnished with the Bid, General & Special Conditions of Contract, Contract Data, Drawings, Specifications, the schedule of quantities and set of terms and conditions of contract and other forms will be uploaded on the website: www.jktenders.gov.in on or before 15-05-2026 upto 16.00Hrs] The Bidders can download the bid documents after the due date upto last date for submission of online bid.
11. Bids shall be received "on line" on or before [15-05-2026 upto 16.00Hrs]. The bidder must possess Compatible Digital Signature Certificate (DSC) and proper user I
12. The hard copy shall have to submitted by the L1 within 3days after opening of Financial bid in the office of the [Executive Engineer Jal Shakti PHE Division Udhampur] during office working hrs.
13. A Bidder requiring any clarification of the bidding documents may ask on line in the e-procurement portal using his / her DSC provided the queries are raised 05 days prior to the deadline for on-line submission of bids.
14. Bids received on line shall be opened on 16-05-2026 at 1400 Hours in the office of the [Executive Engineer Jal Shakti PHE Division Udhampur] in the presence of the bidders or their authorized representatives, who wish to be present. Bidders can witness the opening of bids after logging on to the site through their DSC. If the office happens to be closed on the last date of opening of the bids as specified, the bids will be opened on the next working day at the same time and venue.

Signed for and on behalf of the LT. GOVERNOR OF UT

No.JSDU1027-32 Dated 07-05-2026

DIP/J-1916/26
Dtd: 12-5-2026

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti (PHE) Division
Udhampur

डीए जारी करने और मेडिकल भत्ता बढ़ाने की मांग, एनएमसी ने सरकार से शीघ्र निर्णय लेने की अपील

जम्मू, 12 मई (हि.स.)। एनएमसी अध्यक्ष सुभाष शास्त्री ने मंगलवार को मुख्यमंत्री से जनवरी 2026 से देय 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) जारी करने संबंधी औपचारिक आदेश जल्द जारी करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव जम्मू में दरबार मूव बंद होने के अंतिम दिन आयोजित कैबिनेट बैठक में स्वीकृत किया जा चुका है लेकिन अब तक आदेश जारी नहीं हुआ है।

नेशनल मजदूर कांफ्रेंस (एनएमसी) के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शास्त्री ने कहा कि कर्मचारियों और पेंशनरों को बढ़ती महंगाई और कीमतों से राहत देने के लिए सरकार को शीघ्र आदेश जारी करना चाहिए। उन्होंने सरकार से मासिक मेडिकल भत्ता 300 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये करने की भी मांग उठाई और उम्मीद जताई कि आगामी कैबिनेट बैठक में इस संबंध में सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा।

शास्त्री ने कहा कि पिछले दो दशकों में दवाइयों और चिकित्सा खर्चों में भारी वृद्धि हुई है जिसके मद्देनज़र मेडिकल भत्ते में बढ़ोतरी जरूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि लद्दाख प्रशासन अपने पेंशनरों को 1 अप्रैल 2020 से 1000 रुपये मासिक मेडिकल भत्ता दे रहा है जबकि जम्मू-कश्मीर में अभी केवल 300 रुपये दिए जा रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से जनवरी 2020 से जून 2021 तक के 18 माह के लंबित डीए एरियर जारी करने की भी मांग की। साथ ही प्रधानमंत्री और केंद्रीय वित्त मंत्री से कर्मचारियों एवं पेंशनरों के रोके गए तीन डीए किश्तों के एरियर जारी करने की अपील की।

एनएमसी अध्यक्ष ने सरकार से आगामी बजट में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की सेवाओं को नियमित करने की मांग भी उठाई। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन ने समय-समय पर इन कर्मचारियों से किए गए वादों को पूरा करना चाहिए।

संपादकीय

नशे के खिलाफ अभियान

इस बात में कोई संदेह नहीं है कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने सभी हितधारकों को साथ लेकर व्यापक अभियान चलाकर क्षेत्र से नशे की समस्या को समाप्त करने के लिए सराहनीय कदम उठाए हैं। उतना ही सराहनीय कदम उन लोगों पर शिकंजा कसने का है जो विभिन्न माध्यमों, यहाँ तक कि कुछ गैर-पारंपरिक तरीकों जैसे कि नशे से प्रभावित क्षेत्रों में कॉम्बिंग और सर्च ऑपरेशन्स के जरिए लोगों तक नशीले पदार्थ पहुँचाते हैं।

इसी संदर्भ में, बताया गया है कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 8 मई 2026 तक चल रहे 100-दिवसीय नशा मुक्त जेके अभियान के दौरान एनडीपीएस अधिनियम के तहत 614 एफआईआर दर्ज की हैं, 646 लोगों को गिरफ्तार किया है और 435 नशा तस्करों को पकड़ा है। प्रशासन ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में नशे के नेटवर्क के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। यद्यपि यह 100-दिवसीय अभियान नशीले पदार्थों के दुरुपयोग की समस्या से बड़े स्तर पर लड़ने में सफल साबित हो रहा है, फिर भी सरकार को दीर्घकालिक स्तर पर प्रयासों को और मजबूत करना चाहिए ताकि विशेष रूप से युवाओं को इस प्रकार शिक्षित किया जा सके कि कोई भी उन्हें इस सामाजिक बुराई की ओर आकर्षित न कर सके।

इस संदर्भ में, भाजपा के एक प्रवक्ता द्वारा जम्मू-कश्मीर के सभी स्कूलों में माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रम में नशा जागरूकता से संबंधित अध्याय शामिल करने का सुझाव नवाचारी और उपयोगी प्रतीत होता है। भाजपा नेता ने सही कहा है कि छात्रों को प्रारंभिक स्तर पर ही नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों तथा नशा तस्करी से जुड़े कानूनी परिणामों के बारे में शिक्षित करने की तत्काल आवश्यकता है।

छात्रों को संरचित शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से समाज में नशे के खिलाफ लड़ाई के दूत बनाया जाना चाहिए। ऐसा कदम समस्या की जड़ों तक पहुँचने में सहायक होगा क्योंकि शिक्षा के माध्यम से जागरूक और जिम्मेदार नागरिक तैयार करने की प्रक्रिया को नई दिशा दी जा सकती है।

निश्चित रूप से, वर्तमान में कानून प्रवर्तन और जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से नशे के खिलाफ लड़ाई लाभकारी साबित हो रही है, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि समाज शिक्षा के माध्यम से नशे के दुरुपयोग के विरुद्ध मजबूत प्रतिरोध विकसित करे। केवल नशा जागरूकता के अध्याय शुरू कर देने से उद्देश्य पूरा नहीं होगा, बल्कि यह भी आवश्यक है कि स्कूलों में संवादात्मक सत्र, विशेषज्ञों तथा कानून लागू करने वाली एजेंसियों के अधिकारियों के विशेष व्याख्यान, और स्वास्थ्य एवं कानूनी जटिलताओं पर केंद्रित सम्मेलन आयोजित किए जाएँ।

अंतत:, समय की मांग है कि युवा पीढ़ी को ज्ञान, आत्मविश्वास और नैतिक शक्ति से सशक्त बनाया जाए ताकि वे इस सामाजिक बुराई को ठुकरा सकें और वास्तविक अर्थों में जम्मू-कश्मीर को नशामुक्त समाज बनाने में योगदान दे सकें।

बंगाल ने खुद को फिर से ढूंढ़ लिया

बंगाल की महिलाओं को जो पीड़ा सहनी पड़ी, उसकी बराबरी केवल राज्य के युवाओं द्वारा उठाए गए नुकसान से ही की जा सकती है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई पहली छापेमारी की रात सॉल्ट लेक के एक बंद फ्लैट से 21 करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए। संबंधित संपत्तियों से हुई बरामदगी के बाद कुल राशि 50 करोड़ रुपये से अधिक की हो गई। तत्कालीन कैबिनेट मंत्री पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी हुई। उन्होंने शिक्षा मंत्री के रूप में पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग की अध्यक्षता की थी।

– हरदीप सिंह पुरी

हावड़ा कभी एशिया का शेफील्ड कहलाता था। हुगली नदी के किनारे स्थित जूट मिलें इस उपमहाद्वीप के संगठित उद्योग का सबसे बड़ा केन्द्र हुआ करती थीं। कोलकाता भारत की वाणिज्यिक राजधानी हुआ करती थी।बिड़ला एवं टाटा घरानों के साथ-साथ आईटीसी, ब्रिटानिया, कोल इंडिया, हिंदुस्तान मोटर्स और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के मुख्यालय भी यहीं स्थित थे। बर्नपुर स्थित इस्को की स्थापना 1918 में हुई थी,जबकि दुर्गापुर इस्पात संयंत्र द्वितीय पंचवर्षीय योजना का हिस्सा था। वर्ष 1950-51 में, बंगाल ने देश के कुल मैन्यूफैक्चरिंग उत्पादन में लगभग 27 प्रतिशत हिस्से का योगदान किया था।मैं उस कलकत्ता को जानता था।विदेश सेवा में शामिल होने से पहले, मेरी शुरुआती नौकरियों में से एक इसी शहर में हिंदुस्तान लीवर मेंथी।कलकत्ता तब भी एक ऐसी जगह थी, जहां अपने संदूक के साथ आने वाला एक युवक इस बात के लिए आश्वस्त हो सकता था कि वह उस जगह पर आ गया है जहां से इस देश का वाणिज्य संचालित होता है।बत्तियां जलती रहीं। ट्रामें चलती रहीं। कंपनियों ने भर्तियां जारी रखीं।

जिस चीज को बनाने में एक सदी लगी थी, उसे आर्थिक कुप्रबंधन से कहीं बढ़कर सोची-समझी साजिश के जरिए ध्वस्त कर दिया गया।वाम मोर्चा ने 1977 में सत्ता संभाली।यह मोर्चा चौंतीस वर्षों तक सत्ता पर काबिज रहा।श्रमिक वर्ग के हितों की नारेबाजी का आड़ में, एक संगठित समानांतर राज्य ने जड़ें जमा लीं। मकान बनाने से लेकर दुकान चलाने, भट्टी स्थापित करने, परिवहन मार्ग को पंजीकृत कराने और पंचायत की बैठक आयोजित करने तक के लिए इजाजत लेनी होती थी। ये इजाजतें एक चंदे की एवज में मिलती थीं।कार्यकर्ता ये चंदाइकट्ठा करते थे।सत्तारूढ़ पार्टी में उसे अपने खाते में जमा करती थी।पूंजीपतियों को राज्य से निकालबाहर करने वाली ट्रेड यूनियनबाजी इसका प्रत्यक्ष पहलू थी।जबरन वसूली सेत्रस्त आम नागरिकोंके वहां से निकल जाने की परिघटना तो खैर कैमरों में कैद ही नहीं हुई।वर्ष 2000 के दशक में, जब वाम मोर्चा ने खुद अपना रुख बदलने और टाटा मोटर्स को सिंगूर लाने की कोशिश की, तो विपक्ष में बैठी तृणमूल कांग्रेस ने भूख हड़ताल शुरू कर दी। परिणामस्वरूप, यह परियोजना 2008 में गुजरात चली गई।माफिया ने अपना चोला बदल लिया; वह खत्म नहीं हुआ।

वर्ष 2011 में,तृणमूल कांग्रेस 'परिवर्तन'के वादे पर सत्ता में आई।इसके बाद जो कुछ हुआ, वह नए रूप में पुरानी ही व्यवस्था के लौट आने जैसा था। चंदा, अब एवजी-रकम बन गया। कार्यकर्ता सिंडिकेट बन गए।राष्ट्रीय स्तर पर मैन्यूफैक्चरिंगमें बंगाल की 27 प्रतिशत की हिस्सेदारी घटकर 5 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है।

कभी राष्ट्रीय औसत का 127 प्रतिशत रहने वाली, प्रति व्यक्ति आय लुढ़कर 84 प्रतिशत पर आ गई है। छह हजार से अधिक पंजीकृत कंपनियों ने अपने मुख्यालय कोलकाता से बाहर स्थानांतरित कर दिए हैं।कभी हावड़ा या साल्ट लेक में काम करने वाले बंगाल के बच्चे, अब बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में रहते हैं।अपनी नौकरी और अपने पैसों को राज्य से बाहर जाता देखने वाले, मतदाताओं को अपना हिसाब बराबर करना थाऔर उनके हाथ में हिसाब बराबर करने का जरिया एक मतपत्र ही था।

इस बदलेके केन्द्र में महिलाओं से जुड़ा एक ऐसा रिकॉर्ड था, जिसका बचाव आजाद भारत के किसी भी सत्ताधारी को नहीं करना पड़ा।एक महिला मुख्यमंत्री के शासनकाल में राज्य की महिलाओं पर निर्मम अत्याचार हुए और उनकी हत्याएं हुईं। अगस्त 2024 में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार हुआऔर उसकीहत्या कर दी गई। रात भर घटनास्थल पर एक भीड़ द्वारा तोड़फोड़ की गई। कोलकाता पुलिस ने इस भीड़ को तितर-बितर करने की कोई कोशिश नहीं की। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस निष्कर्ष के आधार पर जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आदेश दिया कि कोलकाता पुलिस की जांच भरोसेमंद नहीं है। जूनियर डॉक्टरों की 42 दिनों की हड़ताल हुई।इस हड़ताल में कई महिला डॉक्टर शामिलरहीं।

जनवरी 2024 में, संदेशखाली की घटना हुई। सुंदरबन के एक द्वीप की महिलाएं तृणमूल के एक जिला परिषद सदस्य के खिलाफ सड़कों पर उतर आईं।तृणमूल का वह नेता पचपन दिनों तक फरार रहा। जबकि, राज्य की पुलिस चुपचाप बैठी रही और उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया। कभी अपने आंदोलनों के दौरान'परिवर्तन'की बात करने वाली, एक मुख्यमंत्रीने एक ऐसे शासन का नेतृत्व किया जिसमें उनके राज्य की महिलाओं को उनके ही कार्यकर्ताओं के खिलाफ अदालतों वकेन्द्रीय एजेंसियों की शरण लेनी पड़ी और सड़कों पर उतरना पड़ा। यह बेहद निंदनीय है। और घोर अन्यायपूर्ण भी।

बंगाल की महिलाओं को जो पीड़ा सहनी पड़ी, उसकी बराबरी केवल राज्य के युवाओं द्वारा उठाए गए नुकसान से ही की जा सकती है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई पहली छापेमारी की रात सॉल्ट लेक के एक बंद फ्लैट से 21 करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए। संबंधित संपत्तियों से हुई बरामदगी के बाद कुल राशि 50 करोड़ रुपये से अधिक की हो गई। तत्कालीन कैबिनेट मंत्री पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी हुई।उन्होंने शिक्षा मंत्री के रूप में पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग की अध्यक्षता की थी। अप्रैल 2024 में, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने एक भर्ती के तहत 25 हजार सात सौ तिरपन शिक्षकों, ग्रुप-सी और ग्रुप-डी कर्मचारियों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया।इन नियुक्तियों को भर्ती प्रक्रिया के शुरुआती दौर से ही अवैध पाया गया था। इस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में ले जाया गया और देश की सर्वोच्च अदालत ने2025 में इसे बरकरार रखा।

बंगाल के युवाओं को जीवन में एक मजबूत आधार प्रदान करनेके उद्देश्य से शुरू की गई स्कूली भर्ती की पूरी प्रक्रिया एक ऐसे अड्डे में तब्दील हो गई, जहांपदों को बेचा जा रहा था और वैध उम्मीदवार को भर्ती की कतार दिखाई ही नहीं दे रही थी। राशन घोटाला तो इस घोटाले से भीऊपर था।इसमें एक और मौजूदा कैबिनेट मंत्री ज्योतिप्रिया मल्लिक फंस गईं। इसके ऊपर मवेशी घोटाला, रिश्वतखोरी का धंधाऔर सिंडिकेट का राज था। मतदाता इन सभी गठजोड़ों को समझ गया। माफिया द्वारा संचालित राज्य में रिश्वत देने से इनकार करने वाला नागरिकसबसे पहले पीड़ित होता है।

इस रिकॉर्ड के सामने एक अलग ही तरह का रिकॉर्ड था। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चार करोड़ इक्कीस लाख घरों का निर्माण पूरा हुआ। जल जीवन मिशन के तहत पंद्रह करोड़ नल-जल के कनेक्शन लगाए गए।जबकि, 2019 में यह आंकड़ा तीन करोड़ का था। आयुष्मान भारत योजना के तहत लगभग पचपन करोड़ लाभार्थियों को पांच लाख रुपये का वार्षिक कवरेज मिला। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण ने बंगाल के हर कल्याणकारी कार्यक्रम में होने वाले भ्रष्टाचार को खत्म कर दिया। ये सभी काल्पनिक बातें नहीं हैं। बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के हर कार्यकर्ता ने इन्हीं बातों को आधार बनाकर वोट मांगा।

उस आधार के पीछे एक नेटवर्क खड़ा था। पार्टी के बूथ के स्तर के कार्यकर्ताओं,पन्ना प्रमुखों, और चुनावी चक्रों के दौरान धमकियों, डरा-धमकाने और शारीरिक हिंसा का सामना करने वाले कार्यकर्ताओं ने प्रतिकूल परिस्थितियों में मतदाताओं के पंजीकरण, परिवहन और मतदान कराने के उन गैर-आकर्षक कामों को पूराकिया जिन्हें अन्य पार्टियों ने छोड़ दिया था। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ धमकियां, केन्द्रीय बलों के लौट जाने के बाद होने वाले हाल से जुड़ी घोषणाएं औरचुनाव के बाद की हिंसा के पिछले दौरों में गई जानें, ये सब कार्यकर्ताओं के लिए हवाई बातें नहीं थी। वे इन सब अनुभवों से गुजर चुके थे। माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह खुद बंगाल के विभिन्नजिलों में घूम-घूम कर देख रहे थे।कभी-कभी तो कुछ ही हफ्तों के भीतरपुराने कस्बे में दुबारा आते थे, क्योंकि वे जानते थे कि उनके कार्यकर्ता क्या कर रहे हैं। वे जो करने की कोशिश कर रहे थे, वह महज चुनावी उलटफेर भर नहीं था। यह एक गढ़ को ढहाने जैसा था।

इस अभूतपूर्व जीत का सिरमौर बनेचेहरे खुद अपनी कहानी बयान करते हैं। आर.जी. कर हत्याकांड के पीड़िता की मां श्रीमती रत्ना देबनाथ, जिन्हें भारतीय जनता पार्टी ने पानीहाटी से उम्मीदवार बनाया था, ने 15 साल से चले आ रहे तृणमूल के गढ़ को ध्वस्त करते हुए भारी बहुमत से जीत हासिल की। श्रीमती रेखा पात्रा, जिन्होंने संदेशखाली में अपनी ही धरती पर राज्य द्वारा ठुकराए गए अधिकार की मांग रखी और उसी मांग को लेकर हिंगलगंज में चुनाव लड़ा। कुल 30 वर्षोंतक वामपंथ और 15 वर्षों से तृणमूल के गढ़ रहेजिलों के मतदाताओं नेपहली बार कमल के निशान को चुना। रविवार, 4 मई 2026 को बंगाल ने हिसाब चुकता कर दिया। भारतीय जनता पार्टी ने 293 सीटों में से 206 सीटें जीतीं। दो अलग-अलग दलोंके 49 वर्षों के माफिया शासन का अंत हो गया। यह केवल एक चुनावी जनादेश भर नहीं, बल्कि एक नैतिक जनादेश भी था।

जनता के इस निर्णायक फैसले पर पहले से ही सवालिया निशान लगाए जा रहे हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत, 90 लाख अपात्र नाम हटा दिए गए। इन अपात्र नामों को 15 वर्षों से बनाए रखा गया था। अपात्र नामों को हटाने की कार्रवाई को हारने वालापक्ष मतदाताओं का दमन बता रहा है। आंकड़े इस सवाल का जवाब देते हैं। जिन बीस निर्वाचन क्षेत्रों में संशोधन के दौरान सबसे अधिक नाम हटाए गए, उनमें से तृणूल कांग्रेस ने तेरह सीटें जीतीं। समसेरगंज, लालगोला, भगबानगोला, रघुनाथगंज और मेतियाबुरुज वैसे पांच निर्वाचन क्षेत्र हैं, जहां सबसे अधिक नाम हटाए गए।इन सभी में 2021 और 2026 के दोनों चुनावों में तृणूल के विधायक चुने गए। जीत का अंतर पुनरीक्षण के दौरान हटाए गए मतदाताओं की संख्या से कम रहने वाले उनतालीस निर्वाचन क्षेत्रों में से, छब्बीस सीटें भारतीय जनता पार्टी, इक्कीस सीटें तृणूल कांग्रेस और दो सीटें कांग्रेस ने जीतीं। लक्षित बहिष्करणसे जीतने और हारने वाले दलों के बीच लगभग बराबर का बंटवारा नहीं होता। राज्य के इतिहास में सबसे अधिक 92.93 प्रतिशत मतदान ने इस सवाल का निपटारा कर दिया कि मतदाता सूची विश्वसनीय थी या नहीं। मतदाताओं के फैसले पर विवाद पैदा करके, पराजित दल केवल उस दादागिरी की ही पुष्टि कर रहा है जिसे मतदाताओं नेनकार दिया है। यह जनादेश मतदाताओंद्वारा किए जाए चयनके पीछे की बुद्धिमत्ता को भी साबित करता है।

बंगाल ने मतदान कर दिया है और वहां के लोगोंने अपना चुनाव कर लिया है। मतदाताओं की चाहत को समझना बहुत मुश्किल नहीं है। शांति और सड़कों पर पसरी हिंसा से मुक्ति।समृद्धि और उनके शहरों में रोजगारों की वापसी। स्थिरता और एक ऐसा प्रशासन, जो जीने देने के एवज में उनसेकोई रकम न ले। उस राज्य में सांस्कृतिक और आर्थिक पुनर्जागरण, जिसने देश को पहला औद्योगिक क्षेत्र, उसकी वाणिज्यिक राजधानी और राष्ट्रीय प्रशासन के प्रारंभिक निर्माता दिए। जिस कलकत्ता में मैंने काम किया, उसे फिर से हासिल किया जा सकता है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत की दिशा में अपना योगदान फिर से देने के लिएबंगाल बिल्कुल तैयार है। पिछले दशक में लिए गए हर कल्याणकारी और अवसंरचना संबंधी निर्णय के पीछे एक ऐसा प्रधानमंत्री रहा है, जो नागरिक को सर्वोपरि मानता है। उस नागरिक के प्रति विश्वास बनाए रखने के फल को अब दर्ज किया जा चुका है।

(लेखक केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं)

एनसीआरबी के आंकड़े और हमारे बच्चों से जुड़ी ये सच्चाई!

-डॉ. निवेदिता शर्मा

देश में बढ़ती छात्र आत्महत्याएं हमारे सामने वर्तमान दौर की उस सामाजिक और शैक्षिक व्यवस्था का आईना है, जिसमें बचपन धीरे-धीरे दबाव, प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के नीचे दम तोड़ रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में 14,488 छात्रों ने आत्महत्या की हैं। यह संख्या वर्ष 2023 की तुलना में 4.3 प्रतिशत अधिक है। इसमें सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि एक ओर देश में कुल आत्महत्या के मामलों में गिरावट दर्ज हुई है, वहीं छात्रों की आत्महत्या लगातार बढ़ती हुई दिखाई देती है। ऐसे में यह स्थिति स्पष्ट संकेत दे रही है कि हमारे बच्चे शिक्षा के अतिरिक्त बोझ के नीचे मानसिक रूप से टूट रहे हैं।सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि आत्महत्या करने वाले छात्रों में बड़ी संख्या कक्षा 10वीं तक के विद्यार्थियों की है। यह वह आयु है, जब बच्चों को सबसे अधिक भावनात्मक सहारे, संवाद और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है, किंतु दुर्भाग्य से इस दौर में उन पर करियर चुनने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और सफल बनने का भारी दबाव डाल दिया जाता है।

वर्ष 2015 में छात्र आत्महत्या के 8,934 मामले थे, जो 2024 में बढ़कर 14,488 हो गए। यानी एक दशक में 62 प्रतिशत से अधिक वृद्धि का होना निश्चित ही हम सभी के लिए गहरी चिंता का विषय होना चाहिए! क्योंकि सामने आए साक्ष्य के आधार पर स्पष्ट होता है कि प्रतिदिन औसतन लगभग 35 छात्र अपनी जीवन यात्रा को समाप्त कर रहे हैं। यहां विचार करनेवाली बात यह भी है कि क्या यह अकेले बच्चों की असफलता है? या समाज, परिवार और शिक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता है? आज शिक्षा का अर्थ ज्ञान, संस्कार और व्यक्तित्व विकास न होकर ऐसा लगता है, जैसे कि प्रतियोगिता, रैंक, पैकेज और प्रतिष्ठा का पर्याय बन चुका है। बच्चों के कंधों पर इतना भारी बोझ डाल दिया गया है कि वे अपनी उम्र के सहज आनंद, खेल, जिज्ञासा और रचनात्मकता से दूर होते जा रहे हैं। विद्यालयों के बाद कोचिंग संस्थानों का दबाव, परीक्षा का भय, करियर की अनिश्चितता और अभिभावकों की अपेक्षाएं मिलकर बच्चों को मानसिक रूप से थका रही हैं। बच्चों के सामने भावनात्मक अकेलेपन का संकट भी उभरकर सामने आया है। यही कारण है कि अनेक छात्र अवसाद, चिंता, बाइपोलर डिसऑर्डर और भावनात्मक तनाव से जूझ रहे हैं, किंतु दुखद है कि समय रहते उनकी स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान तक नहीं हो पाती है! यदि बच्चा उदास है, चिड़चिड़ा है या अकेला रहने लगा है, तो इसे जिद या कमजोरी मान लिया जाता है। हमारे समाज में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता।दूसरी ओर सच यह भी है कि बच्चा सबसे अधिक भय 'असफल' कहलाने से महसूस करता है। उसे यह समझाया ही नहीं जाता कि जीवन में सफलता के अनेक रास्ते होते हैं। विद्यालयों और घरों में बच्चों को बार-बार तुलना का सामना करना पड़ता है। धीरे-धीरे बच्चा स्वयं को अंक और उपलब्धियों से मापने लगता है। जब अपेक्षाओं और वास्तविकता के बीच दूरी बढ़ती है, तब वह भीतर से टूटने लगता है। ऐसे में यह जरूरी हो गया है कि अभिभावक सबसे पहले यह समझें कि हर बच्चा अलग होता है। सभी बच्चों की क्षमता, रुचि और गति समान नहीं हो सकती। सफलता का अर्थ मेडिकल, इंजीनियरिंग या प्रशासनिक सेवा नहीं है। यदि बच्चा संगीत, खेल, कला, लेखन, डिजाइन, कृषि या किसी अन्य क्षेत्र में रुचि रखता है, तो उसे उसी दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। अत- आवश्यकता इस बात की है कि अभिभावक बच्चों के साथ समय बिताएं। सिर्फ स्कूल की फीस भर देना या अच्छे कोचिंग संस्थान में भेज देने से उनकी जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती है। बच्चों को सबसे अधिक जरूरत अपने माता-पिता के विश्वास, संवाद और भावनात्मक सहारे की होती है। यदि बच्चा डर, तनाव या असफलता की बात कह रहा है, तो उसे डांटने के बजाय सुने। विद्यालयों और शिक्षकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। माना कि विद्यालय पढ़ाई का केंद्र है, किंतु यह भी सच है कि बच्चों के भावनात्मक विकास का भी वह एक स्थान है, इसलिए यह जरूरी है कि हर विद्यालय में प्रशिक्षित काउंसलर होने चाहिए। शिक्षकों को यह प्रशिक्षण दिया जाए कि वे बच्चों में तनाव और अवसाद के शुरुआती संकेत पहचान सकें। अनुशासन और परिणाम पर ध्यान देने के बजाय बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दें। इसके साथ ही समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है। आज समाज को यह स्वीकार करना होगा कि बच्चों की जिंदगी किसी परीक्षा या प्रतिशत से कहीं अधिक मूल्यवान है। यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह भी है कि बच्चों को यह एहसास दिलाया जाए कि उनका जीवन किसी भी परीक्षा से बड़ा है। असफलता अंत नहीं होती। हार जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। कुल मिलाकर शिक्षा के अतिरिक्त बोझ से बच्चों को बाहर निकालने का अतिरिक्त श्रम स्कूल, अभिभावक, शिक्षक, समाज और व्यवस्था सभी को मिलकर आज करने की आवश्यकता है। तभी बच्चे किसी भी प्रकार के डर से बाहर निकल पाएंगे और एक नए आत्म-विश्वास में जी सकेंगे। यदि हम अब भी नहीं चेते, तो आने वाले वर्षों में आंकड़े और भयावह हो सकते हैं। उम्मीद है, हम सभी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के सामने आए इन आंकड़ों पर गंभीर विचार अवश्य करेंगे और समाधान की दिशा में आगे आएंगे। कोई भी बच्चा आत्म-हत्या जैसा कदम न उठाए, हमारे सामूहिक प्रयास इसी दिशा में होने चाहिए ।

(लेखिका मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष हैं।)

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका-भारत अंतर संचालन क्षमता को मजबूती

-चार्वी अरोड़ा, अमेरिकी दूतावास

महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों और व्यापारिक रास्तों से लेकर आपदा प्रतिक्रिया तक, हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक सुरक्षा और स्थिरता के केंद्र में है। अमेरिका को इस विशाल क्षेत्र में सैन्य संचालन के लिए निरंतर तैयारी, मज़बूत समन्वय और टकराव वाले माहौल में तेजी से प्रतिक्रिया देने की क्षमता आवश्यक है।

पैसिफिक एयर फोर्सेस (पीएसीएएफ़) अमेरिकी वायु सेना की प्रमुख कमांड है जिसका मुख्यालय हवाई स्थित हिकम एयरफोर्स बेस है और यू.एस. इंडो-पैसिफिक कमांड (यूएसइंडोपैकम) का वायु घटक है। इसका मुख्य उद्देश्य हमले रोकना और स्वतंत्र तथा खुला हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करना है। यह मिशन शक्ति के माध्यम से शांति की रणनीति के जरिए पूरा किया जाता है, जो विश्वसनीय, युद्ध के लिए तैयार वायु शक्ति और मजबूत गठबंधनों व साझेदारियों पर आधारित है।

इन प्रयासों में भारत महत्वपूर्ण भागीदार है क्योंकि अमेरिका और भारत सैन्य अभ्यासों, योजना और ऑपरेशन समन्वय के माध्यम से सहयोग का विस्तार कर रहे हैं। द्विपक्षीय रक्षा व्यापार और भारत के साथ संयुक्त प्रशिक्षण ने इस बढ़ती अंतर-संचालनता में सीधे योगदान दिया है। पीएसीएएफ़ के कमांडर जनरल केविन श्नाइडर बताते हैं कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय रक्षा व्यापार में वृद्धि के साथ इंटर ऑपरेबिलिटी भी बढ़ी है और हमारी साझेदारी का महत्व लगातार बढ़ रहा है, विशेषकर तब जब हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अधिक जटिल और गतिशील सुरक्षा वातावरण का सामना कर रहे हैं।

जैसे-जैसे हिंद-प्रशांत क्षेत्र बहुआयामी भू-राजनीतिक वातावरण का सामना कर रहा है, विवादित क्षेत्रों में कमांड एवं नियंत्रण तथा लॉजिस्टिक्स को मजबूत करना प्राथमिकता बन गया है। इसे संबोधित करने के लिए परिचालन दृष्टिकोण को एजाइल कॉम्बैट एम्प्लॉयमेंट के माध्यम से अनुकूलित किया जा रहा है, जो बलों के विकेंद्रीकरण, अस्तित्व बचाए रखने की क्षमता बढ़ाने और लंबी दूरी पर संचालन गति बनाए रखने पर केंद्रित है। इसमें सामग्री को पहले से तैनात करना और छोटे, बिखरे हुए स्थानों के नेटवर्क से संचालन करना शामिल है, ताकि गति और पैमाने पर संचालन संभव हो सके।

भारतीय वायुसेना जैसे साझेदारों के साथ जुड़ाव इस अनुकूलनशील दृष्टिकोण का समर्थन करता है, जिसमें मजबूत साझेदार एकीकरण, अधिक जानकारी साझा करना और इंटर ऑपरेबिलिटी का परीक्षण शामिल है। अभ्यासों को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि वे युद्ध और संकट प्रतिक्रिया की अवधारणाओं को सहयोगियों और साझेदारों के साथ मिलकर परखें, सुधारें और उन्हें एक एकीकृत बल के रूप में संचालित होने में सक्षम बनाएं। यह संबंध वर्षों में काफी परिपक्व हुआ है। श्नाइडर कहते हैं, साथ मिलकर काम करने की हमारी क्षमता बुनियादी समन्वय से विकसित होकर जटिल परिस्थितियों में उच्च स्तरीय इंटरऑपरेबिलिटी तक पहुंच गई है।

गतिशीलता और त्वरित अनुकूलन का यह दृष्टिकोण हाल ही में बड़े पैमाने के रेजोल्यूट फोर्स पैसिफिक (रेफोरपैक) अभ्यास में परखा गया, जिसमें 400 से अधिक विमान और 12,000 से अधिक कर्मियों ने 50 स्थानों पर भाग लेकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बड़े पैमाने पर संचालन की क्षमता का प्रदर्शन किया। इसी तरह, भारत के साथ टाइगर ट्रायम्फ जैसे सहयोगी अभ्यास विशेष रूप से लॉजिस्टिक्स, मानवीय सहायता और कठिन परिस्थितियों में आपदा राहत के लिए संयुक्त क्षमताओं के विकास पर केंद्रित हैं।

साइबर और अंतरिक्ष का समन्वय

वायु संचालन अब तेजी से साइबर और अंतरिक्ष क्षमताओं से जुड़ रहे हैं। अमेरिका सहयोगियों और साझेदारों के साथ प्रशिक्षण, अभ्यास और योजना के माध्यम से इन क्षेत्रों में उभरती चुनौतियों का सामना करते हुए संचालन एकीकरण को गहरा कर रहा है। सभी साझेदारियों में लक्ष्य निर्बाध संचालन हासिल करना है। यह महत्वाकांक्षा व्यापक अमेरिका-भारत प्रमुख रक्षा साझेदारी को दर्शाती है, जिसमें सूचना साझाकरण, क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग और इन महत्वपूर्ण नए क्षेत्रों में गहरा सहयोग शामिल है।

त्वरित प्रतिक्रिया

रणनीतिक वायु गतिशीलता हिंद-प्रशांत क्षेत्र के विशाल विस्तार में सुरक्षा संचालन और मानवीय प्रतिक्रिया दोनों के समर्थन के लिए केंद्रीय बनी हुई है। हाल के अभ्यासों में सिद्ध हुआ है कि सैकड़ों विमानों और हजारों कर्मियों की तैनाती की क्षमता त्वरित प्रतिक्रिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह दृष्टिकोण इस मान्यता को भी दर्शाता है कि सहयोगियों और साझेदारों का नेटवर्क अमेरिका की सबसे बड़ी रणनीतिक संपत्तियों में से एक है, जो क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए साझा जिम्मेदारी को बढ़ावा देता है। क्वाड (जिसमें अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं) महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर ऐसे सहयोग के लिए प्रमुख तंत्र के रूप में कार्य करता है, जिससे भारत जैसे साझेदार विकसित होते संचालन परिदृश्य में एकीकृत हो सकें।

आगे देखते हुए, सबसे बड़े अवसर रणनीतिक साझेदारियों को और मजबूत करने में निहित हैं, ताकि द्विपक्षीय और क्षेत्रीय समूहों जैसे क्वाड के माध्यम से स्थिरता को बढ़ावा दिया जा सके। भविष्य का सहयोग उभरते क्षेत्रों, प्रौद्योगिकी और क्षेत्रीय सुरक्षा पर केंद्रित रहने की उम्मीद है क्योंकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सामरिक और रणनीतिक समन्वय लगातार मजबूत हो रहा है। श्नाइडर कहते हैं, एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र की नींव हमारे रणनीतिक संबंधों की मजबूती पर टिकी है। भारत में, हमारे पास एक ऐसा साझेदार है जिसके साझा मूल्य और दृष्टिकोण क्षेत्रीय चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे संयुक्त संकल्प को सुनिश्चित करते हैं।

आईपीएल 2026 : दिल्ली से मिली हार के बाद बोले श्रेयस अय्यर, 'गेंदबाजी और फील्डिंग ने हमसे मैच छीन लिया'

एजेंसी

धर्मशाला। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ मिली हार के लिए पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टीम की खराब गेंदबाजी और फील्डिंग को जिम्मेदार ठहराया। सोमवार रात धर्मशाला में खेले गए रोमांचक मुकाबले में पंजाब ने 210 रन बनाने के बावजूद मैच गंवा दिया। अय्यर ने स्वीकार किया कि टीम ने अहम मौकों पर गलतियां कीं, जिसका खामियाजा हार के रूप में भुगतना पड़ा। मैच के बाद श्रेयस अय्यर ने कहा, 'मैं बात को घुमाना नहीं चाहता। हमारी फील्डिंग और गेंदबाजी ने हमें मैच हराया। इस विकेट पर 210 रन 30 रन ज्यादा थे, क्योंकि गेंद सीम हो रही थी और बाउंस भी अनियमित था।' उन्होंने आगे कहा कि टीम ने मैच में दिल्ली के बल्लेबाजों के दो अहम कैच छोड़े, जिससे मुकाबला पंजाब के हाथ से निकल गया।

मप्र के भोपाल में 15 मई से शुरू होगी भारत-ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 हॉकी सीरीज

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में भोपाल में आगामी 15 मई से भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 हॉकी सीरीज का आयोजन किया जा रहा है। इस चार मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय एवं ऑस्ट्रेलियाई जूनियर टीमें राजधानी भोपाल पहुंचीं। यहां राजा भोज एयरपोर्ट पर दोनों देशों के खिलाड़ियों एवं कोचिंग स्टाफ का खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। खिलाड़ियों को पारंपरिक तरीके से शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की गई। यह अंतरराष्ट्रीय हॉकी श्रृंखला 15 मई से 20 मई 2026 तक भोपाल स्थित उधव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल सेंटर में आयोजित की जाएगी। सीरीज में भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई अंडर-18 पुरुष एवं महिला टीमें आमने-सामने होंगी। यह प्रतियोगिता आगामी एशिया कप की तैयारियों के दृष्टिगत बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसमें युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्राप्त होगा।

श्रृंखला के अंतर्गत पुरुष वर्ग के मुकाबले 15 मई, 17 मई, 18 मई एवं 20 मई को खेले जाएंगे। वहीं महिला वर्ग के मैच भी इन्हीं तिथियों में आयोजित होंगे। सभी मुकाबले उधव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल सेंटर, भोपाल में होंगे। इस अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी, भोपाल के कुल 10 खिलाड़ियों का भारतीय टीम में चयन हुआ है। पुरुष टीम में आयुष रजक, अंश बहुत्रा, करण गौतम, अवि माणिकपुरी, सिद्धार्थ केन और गाजी खान शामिल हैं। वहीं महिला टीम में स्नेह दावड़े, महक परिहार, नम्मी गीताश्री और नौशीन नाज़ भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। घरेलू मैदान पर खेलने को लेकर खिलाड़ियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। भोपाल में लगातार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के सफल आयोजन से मध्यप्रदेश देश के प्रमुख खेल केंद्रों में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। आधुनिक खेल सुविधाओं, उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था और खेल अकादमियों की बदौलत प्रदेश के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय टीमों में स्थान बना रहे हैं। मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सभी खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह श्रृंखला प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मप्र के मुख्यमंत्री से मिले कपिल देव, बोले- खेलों के विकास में सहयोग के लिए हमेशा तत्पर

एजेंसी

भोपाल। साल 1983 में क्रिकेट विश्वकप विजेता टीम के कप्तान रहे और देश के प्रख्यात ऑल राउंडर कपिल देव ने भोपाल प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर समत्व भवन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्य प्रदेश के खेल परिदृश्य की जानकारी कपिल देव को दी। प्रख्यात क्रिकेटर कपिल देव ने कहा कि मध्य प्रदेश में क्रिकेट सहित सभी खेलों के प्रोत्साहन के लिए सराहनीय कार्य हो रहा है। उन्होंने मध्य प्रदेश में खेलों और खिलाड़ियों के विकास में हर संभव सहयोग देने की बात कही। प्रख्यात क्रिकेटर कपिल देव ने कहा कि क्रिकेट के साथ ही अन्य खेलों का विकास भी आवश्यक है। प्रदेश की क्रिकेट प्रतिभाओं को निखारने के लिए वे अपना मार्गदर्शन देने के लिए सदैव तत्पर हैं।

डेब्यू मैच में छाए डीसी के माधव तिवारी, कहा, 'मैं 100फीसदी गेंदबाज और 100फीसदी बल्लेबाज हूं'

धर्मशाला। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल)2026 में धर्मशाला में खेले गए हाईस्कोरिंग मुकाबले में युवा ऑलराउंडर माधव तिवारी ने अपने हरफनमौला प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींच लिया। आईपीएल 2026 में अपना पहला पूरा मुकाबला खेल रहे 22 वर्षीय माधव ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार योगदान देकर दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ 3 विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। मैच के बाद माधव तिवारी ने कहा, 'सबसे पहले मैं टीम मैनेजमेंट को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे मौका दिया। अगर चीजें आपके हाथ में नहीं होतीं तो आपको हर प्रैक्टिस सेशन में खुद को बेहतर बनाना पड़ता है। मैंने गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल सर के साथ अपनी गेंदबाजी पर काफी काम किया और बल्लेबाजी कोच इयान बेल के साथ रेंज-हिटिंग पर मेहनत की।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं खुद को 100 प्रतिशत गेंदबाज और 100 प्रतिशत बल्लेबाज मानता हूं।' माधव तिवारी ने बल्लेबाजी में भी कमाल दिखाया और मात्र 8 गेंदों पर नाबाद 18 रन बनाए, जिसमें दो चौके और एक छक्का शामिल रहा। उनकी छोटी लेकिन तेज पारी दिल्ली की जीत में बेहद अहम साबित हुई।

साई के सहयोग से राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों की तैयारी में जुटे भारतीय वेटलिफ्टर

नई दिल्ली। आगामी 2026 राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों को ध्यान में रखते हुए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई)) ने देश के वेटलिफ्टरों की तैयारियों को नई गति दी है। खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव दिलाने और लंबी अवधि के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के लिए लगभग 1.95 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई है। इसी बीच भारतीय खिलाड़ी गुजरात के गांधीनगर में चल रही एशियाई सीनियर वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में अपनी चुनौती पेश कर रहे हैं। गुजरात में 17 मई तक हो रही इस चैंपियनशिप में भारत की भागीदारी के लिए करीब 70 लाख रुपये से अधिक की मंजूरी दी गई है। भारतीय दल में 22 खिलाड़ी, छह कोच, पांच सहयोगी स्टाफ और तीन रेफरी शामिल हैं। यह प्रतियोगिता आने वाले बड़े बहुराष्ट्रीय खेल आयोजनों की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस प्रतियोगिता में कई उभरते हुए खिलाड़ी भी हिस्सा ले रहे हैं, जिन्होंने खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत अपनी पहचान बनाई है। इनमें बेदाबरत भराली, पर्व चौधरी, ज्ञानेश्वरी यादव, संजना, माईबाम मार्टिना देवी, चारु पेसी, टी. माधवन, वल्लुरी अजय बाबू, अभिषेक निपाने, कोमल कोहर और कोयल बार जैसे नाम शामिल हैं। इन खिलाड़ियों से भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

महिला टी-20 विश्व कप के लिए स्कॉटलैंड की टीम घोषित, किर्स्टी गॉर्डन की सात साल बाद टीम में वापसी

नई दिल्ली। स्कॉटलैंड ने आगामी महिला टी20 विश्व कप के लिए सोमवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में अनुभवी स्पिनर किर्स्टी गॉर्डन की वापसी सबसे बड़ी चर्चा का विषय रही। गॉर्डन लगभग सात साल बाद फिर से स्कॉटलैंड की जर्सी में नजर आएंगी। 28 वर्षीय बाएं हाथ की स्पिनर किर्स्टी गॉर्डन ने 2012 से 2017 के बीच स्कॉटलैंड के लिए 60 मुकाबले खेले थे। इसके बाद उन्होंने 2018 टी-20 विश्व कप से पहले इंग्लैंड के लिए खेलने का फैसला किया था। अब दिसंबर 2025 में स्कॉटलैंड के लिए फिर से खेलने की इच्छा जताने के बाद उनकी राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। गॉर्डन ने इंग्लैंड के लिए 2018 महिला टी-20 विश्व कप में पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ अपने पदार्पण मैच में 16 रन देकर 3 विकेट हासिल किए थे। इसके अलावा 2019 एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच भी खेला था।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अर्जेंटीना की प्रारंभिक टीम घोषित, लियोनेल मेसी शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी 55 सदस्यीय प्रारंभिक टीम का ऐलान कर दिया है। अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में अगले महीने शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में अर्जेंटीना खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा। टीम के स्टार खिलाड़ी और कप्तान लियोनेल मेसी को भी स्क्वॉड में शामिल किया गया है। हालांकि मुख्य कोच लियोनेल स्कॉलोनी ने साफ किया है कि वर्ल्ड कप में मेसी के खेलने का अंतिम फैसला पूरी तरह इंटर मियामी के इस स्टार फॉरवर्ड पर निर्भर करेगा। वहीं स्टार खिलाड़ी पाउलो डायबाला को इस प्रारंभिक टीम में जगह नहीं मिली है, जिसने फुटबॉल फैंस को चौंका दिया। अर्जेंटीना को वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप जे में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला अल्जीरिया, ऑस्ट्रिया और जॉर्डन से होगा। टीम अपने अभियान की शुरुआत 16 जून को अल्जीरिया के खिलाफ करेगी।

अर्जेंटीना की प्रारंभिक टीम

गोलकीपरः

एमिलियानो मार्टिनेज, जेरोनिमो रूली, जुआन मुस्सो, वाल्टर बेनिटेज, फाकुंडो कैंबेसेस, सैंटियागो बेल्ट्रान

डिफेंडसः

अगस्टिन गुए, गोंजालो मोंटियल, नाहुएल मोलिना, निकोलस कापाल्डो, केविन मैक एलिस्टर, लुकास मार्टिनेज क्वार्टा, मार्कोस सेनेसी, लिसांद्रो मार्टिनेज, निकोलस ओटामेंडी, जर्मन पेजेला, लियोनार्डो बालेर्दी, क्रिस्टियन रोमेरो, लाउतारो डे लो लो, जायद रोमेरो, फाकुंडो मेडिना, मार्कोस अकुना, निकोलस टैग्लियाफिको, गैब्रियल रोजास

मिडफील्डर्सः

मैक्सिमो पेरोनी, लिआंड्रो परेडेस, गुइडो रोड्रिगेज, अनिबाल मोरेनो, मिल्टन डेलगाडो, एलन वरेला, एज़ेक्विएल फर्नांडीज, रोड्रिगो डी पॉल, एक्सेक्विएल पलासियोस, एंजो फर्नांडीज, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, जियोवानी लो सेल्सो, निकोलस डोमिंगेज, एमिलियानो बुएंडिया, वेलेंटिन बार्को

फॉरवर्ड्सः

लियोनेल मेसी, निकोलस पाज, फ्रैंको मस्तांतोनो, थियागो अल्माडा, टोमास अरांडा, निकोलस गोंजालेज, एलेजांद्रो गर्नाचो, जूलियानो सिमियोने, माटियास सोली, क्लाउडियो एटक्सेफेरी, जियानलुका प्रेस्टिनी, सैंटियागो कास्त्रो, लाउतारो मार्टिनेज, जोस मैनुअल लोपेज, जूलियन अल्वारेज और माटेओ पेलेग्रिनो।

अक्षर-मिलर की तूफानी पारियों से दिल्ली की शानदार जीत, पंजाब की लगातार चौथी हार

एजेंसी

धर्मशाला। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सीजन 2026 में खेले गए रोमांचक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को 3 विकेट से हराकर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में दिल्ली ने 211 रन का बड़ा लक्ष्य 19 ओवर में हासिल कर लिया। इस तरह पंजाब की यह लगातार चौथी हार रही। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी दिल्ली के खिलाफ पंजाब ने आक्रामक शुरुआत की। युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्या ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ते हुए टीम को तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने महज 33 गेंदों में 56 रन की शानदार पारी खेली। कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी जिम्मेदारी भरी बल्लेबाजी करते हुए 36 गेंदों पर नाबाद 59 रन बनाए। कूपर कोनोली ने 38 और सूर्यांश शेडगे ने केवल 8 गेंदों में 21 रन बनाकर पंजाब को 20 ओवर में 5 विकेट पर 210 रन तक पहुंचाया। दिल्ली की ओर से मिचेल स्टार्क

और युवा ऑलराउंडर माधव तिवारी ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि मुकेश कुमार को एक सफलता मिली। बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और शुरुआती विकेट जल्दी गिर गए। लेकिन कप्तान अक्षर पटेल ने शानदार कप्तानी पारी खेलते हुए 56 रन बनाए। उनके साथ डेविड मिलर ने भी विस्फोटक अंदाज में 51 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। ट्रिस्टन स्टब्स, साहिल परख और आशुतोष शर्मा ने भी उपयोगी योगदान दिया। दिल्ली ने दबाव के बावजूद आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और 19वें ओवर में लक्ष्य हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। लगातार दो हार के बाद मिली इस जीत से दिल्ली की प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार हैं। वहीं, पंजाब किंग्स के लिए यह हार चिंता बढ़ाने वाली है। टीम ने एक समय लगातार सात मैचों तक शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन अब लगातार चार हार ने उसकी स्थिति मुश्किल कर दी है। बल्लेबाजी में दमदार शुरुआत के बावजूद गेंदबाज दिल्ली के बल्लेबाजों को रोकने में नाकाम रहे।

चीन से हारकर एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप से बाहर हुई भारतीय टीम

एजेंसी

सूझोउ (चीन)। भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम का एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026 में शानदार सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। मेजबान चीन ने खेले गए मुकाबले में भारत को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस हार के साथ भारत का फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप मोरक्को 2026 के लिए क्वालीफाई करने का सपना भी टूट गया। हालांकि हार के बावजूद भारतीय टीम ने इस प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। पहली बार टीम नॉकआउट चरण तक पहुंचने में सफल रही, जिसे भारतीय महिला फुटबॉल के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। सूझोउ स्पोर्ट्स सेंटर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चीन ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। घरेलू दर्शकों के समर्थन से उत्साहित चीनी टीम ने

लगातार भारतीय रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाए रखा। भारतीय गोलकीपर मुन्नी और डिफेंडरों ने शुरुआती मिनटों में कई हमलों को विफल किया।

भारत ने भी कुछ मौकों पर जवाबी हमला करने की कोशिश की। लगभग आधे घंटे के खेल के बाद प्रितिका बर्मन ने बॉक्स में शानदार क्रॉस दिया, लेकिन जया उसका फायदा नहीं उठा सकीं।चीन को पहला गोल 38वें मिनट में मिला, जब हुआंग किनयी ने करीब से शानदार फिनिश करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। पहले हाफ के अतिरिक्त समय में रितु बड़ाइक द्वारा बॉक्स के अंदर फाउल किए जाने पर चीन को पेनल्टी मिली। लियू यूक्सी ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में भारतीय टीम ने वापसी की कोशिश की, लेकिन चीन की मजबूत रक्षापंक्ति के सामने उसे ज्यादा मौके नहीं मिले। दूसरी ओर चीनी टीम लगातार आक्रमण करती रही। भारतीय गोलकीपर मुन्नी ने कई अच्छे बचाव किए और टीम को बड़े अंतर से हारने से बचाया।

निर्धारित समय के अंतिम मिनट में ली किक्सियान ने तीसरा गोल कर चीन की जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ चीन सेमीफाइनल में पहुंच गया। मुख्य कोच पामेला कोंटी के मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में संघर्षपूर्ण और अनुशासित प्रदर्शन किया। युवा खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन ने भविष्य के लिए उम्मीदें जरूर बढ़ाई हैं।

आईपीएल 2026 : धीमी ओवर गति के कारण अक्षर पटेल पर लगा 12 लाख रुपये का जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के कप्तान अक्षर पटेल पर पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ मुकाबले में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का यह मुकाबला 11 मई 2026 को धर्मशाला स्थित हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला गया था, जिसमें दिल्ली ने रोमांचक अंदाज में 3 विकेट से जीत दर्ज की थी। आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत न्यूनतम ओवर गति से संबंधित नियमों के उल्लंघन पर यह कार्रवाई की गई। चूंकि यह दिल्ली कैपिटल्स का इस सीजन पहला ओवर-रेट अपराध था, इसलिए कप्तान अक्षर पटेल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

नुपुर कुमरावत ने 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में मारी बाजी

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की निशानेबाज नुपुर कुमरावत ने 24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर राइफल प्रोन महिला ढ्रुस्स्न्न स्पर्धा का खिताब अपने नाम किया। भोपाल स्थित मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में चल रही इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में नुपुर ने 624.3 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट की प्रिया 623.9 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि महाराष्ट्र की भक्ति भास्कर खामकर ने 622.2 अंक बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया। पंजाब की अंजुम मौदगिल चौथे स्थान पर रहीं। गुजरात की लज्जाकुमारी तिलकपुरी गौस्वामी पांचवें, केरल की विदर्शा के. विनोद छठे, गुजरात की पल्लवी सुथार सातवें और रेलवे की आयुषी पोद्दार आठवें स्थान पर रहीं। जूनियर महिला वर्ग में तमिलनाडु की एम.ए. अक्षधा

ऐश्वर्या ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 618.2 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। पंजाब की निमरत कौर बराड़ ने 617.7 अंक लेकर रजत पदक हासिल किया, जबकि मध्य प्रदेश की प्रथा राठौड़ 617.6 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। मध्य प्रदेश की युगेश्वरी बैस चौथे स्थान पर रहीं। युवा महिला वर्ग में भी एम.ए. अक्षधा ऐश्वर्या का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने 618.2 अंक बनाकर दूसरा स्वर्ण अपने नाम किया और प्रतियोगिता में दोहरा खिताब हासिल किया। इस वर्ग में भी निमरत कौर बराड़ दूसरे और प्रथा राठौड़ तीसरे स्थान पर रहीं।

टीम स्पर्धा में पंजाब की टीम ने 1856.1 अंकों के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। टीम में अंजुम मौदगिल, निमरत कौर बराड़ और सिफ्ट कौर समरा शामिल थीं। मध्य प्रदेश की टीम 1853.1 अंकों के साथ दूसरे और हरियाणा की टीम 1849.1 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही।मास्टर महिला वर्ग में महाराष्ट्र की तेजस्विनी सावंत ने 617.9 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। पश्चिम बंगाल की कुहेली गांगुली दूसरे और महाराष्ट्र की अंजलि भागवत तीसरे स्थान पर रहीं। डेफ महिला वर्ग में महाराष्ट्र की नताशा उदय जोशी ने 608.7 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि महाराष्ट्र की ही प्रीयेशा देशमुख दूसरे स्थान पर रहीं।

उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों के सपनों को नई उड़ान : 5 स्पोर्ट्स कॉलेजों में दाखिले शुरू, 518 सीटों पर होगा प्रवेश

एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार उत्तर प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार बड़े कदम उठा रही है। इसी क्रम में सत्र 2026-27 के लिए स्पोर्ट्स कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके तहत लखनऊ, गोरखपुर, सैफई, फतेहपुर और सहारनपुर स्थित स्पोर्ट्स कॉलेजों में कक्षा 6, 9 और 11 की कुल 518 संभावित रिक्त सीटों पर प्रवेश होगा।

आवेदन के लिए 200 रुपये शुल्क निर्धारित

दरअसल प्रदेश को सहारनपुर और फतेहपुर में दो नए स्पोर्ट्स कॉलेज मिल गए हैं। यहां सत्र 2026-27 से एडमिशन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। इस तरह प्रदेश में कुल 5 स्पोर्ट्स कॉलेज में एडमिशन प्रक्रिया चालू है। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है और इसके लिए खेल साथी पोर्टल का प्रयोग किया जा रहा है। अभ्यर्थी स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ की वेबसाइट SPORTSCOLLEGELKO.IN या खेल साथी पोर्टल https://khelsathi.in पर जाकर आवेदन कर रहे हैं। आवेदन शुल्क 200 रुपये निर्धारित किया गया है।योगी सरकार ने इस बार आवेदन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के लिए यूडाइस पोर्टल से जारी पर्मानेंट एजुकेशन नंबर (पीईएन) को अनिवार्य कर दिया है। इस बार बिना पर्मानेंट एजुकेशन नंबर (पीईएन) के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अभ्यर्थियों के शैक्षिक रिकॉर्ड का सत्यापन यूडाइस प्लस पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। योगी सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार नई योजनाओं और सुविधाओं का विस्तार कर रही है। इन पांचों स्पोर्ट्स कॉलेजों में अलग-अलग खेलों में विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। लखनऊ के गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में एथलेटिक्स, बैडमिंटन, क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी और वॉलीबॉल जैसे खेल संचालित होंगे। गोरखपुर के बीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में वॉलीबॉल, कुश्ती, जिम्नास्टिक, बैडमिंटन, हॉकी और जूडो की ट्रेनिंग दी जाएगी। जबकि इटावा (सैफई) के मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स कॉलेज में एथलेटिक्स, क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, कुश्ती, कबड्डी और तैराकी की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा फतेहपुर स्पोर्ट्स कॉलेज में केवल कक्षा 9 के लिए एथलेटिक्स, हॉकी, हैंडबॉल और कुश्ती में प्रवेश होगा।

ई-टिकट एंट्री ने बढ़ाई दर्शकों की दिक्कतें, गेट के बाहर लगी रही लंबी लाइनें

एजेंसी

धर्मशाला। एचपीसीए के धर्मशाला स्टेडियम में पंजाब किंग्स व दिल्ली केपिटल्स के मैच में ई-टिकट से एंट्री को लेकर दर्शकों को खूब परेशानियों का सामना करना पड़ा है। इस सिस्टम से दर्शकों की लाइनों में लंबी-लंबी कतारें लगने के बाद हुजूम हर गेट की ओर दौड़ पड़ा। इसके बाद गेट नंबर दो में डाइट गेट से लेकर बीएड कॉलेज गेट तक कतारें लग गई। हालांकि इस बार महिलाओं व बच्चों के लिए अलग लाइन लगाकर प्रवेश करवाया गया। जबकि अधिकतर युवाओं व परिवार के साथ आए लोग टिकट एक फोन में होने पर साथ ही जाने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते रहे। जिससे कतारों की बजाय गेट में जैम पैक वाली स्थिति बन गई। पुलिस बल व निजी सिक्योरिटी को व्यवस्था बनाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। धर्मशाला स्टेडियम में दूसरी बार प्रवेश के लिए ई-टिकट से क्यूआर स्कैन कर एंट्री प्रदान की गई। इस दौरान दर्शकों के लिए गेट खुलने पर प्रवेश में देरी मिलने पर खूब परेशान होना पड़ा। स्टेडियम में प्रवेश को लेकर दो नंबर गेट में बीएड कालेज धर्मशाला तक कतारें पहुंच गई। इस बीच कुछ लोग कतारें तोड़कर स्टेडियम की तरफ बढ़ते रहे। इसके चलते गेट के पास सैकड़ों की संख्या में लोग एकत्रित हो गए और स्थिति अत्याधिक भीड़ होने से तनावपूर्ण बन गई।

मध्य प्रदेश की बेटियों का सटीक निशाना, प्रथा राठौड़ ने जीता कांस्य

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित राज्य शूटिंग अकादमी, भोपाल में आयोजित '24वीं कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप (राइफल इवेंट्स)' के अंतर्गत 50 मीटर राइफल प्रोन (वुमेन) स्पर्धाओं का सफल एवं रोमांचक आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर से आई महिला निशानेबाजों ने उच्च स्तरीय प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा, एकाग्रता एवं तकनीकी दक्षता का शानदार परिचय दिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश को गौरवान्वित किया। अकादमी की युवा निशानेबाजों ने अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सटीक निशानेबाजी का परिचय देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। 50 मीटर राइफल प्रोन जूनियर महिला वर्ग में म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी की प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रथा राठौड़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अर्जित किया। प्रथा ने प्रतियोगिता में 617.6 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। पूरे मुकाबले के दौरान उन्होंने निरंतर संतुलित एवं प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अपनी तकनीकी दक्षता और मानसिक मजबूती का परिचय दिया। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल अकादमी बल्कि पूरे मध्य प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

सीनियर महिला टीम स्पर्धा में मध्य प्रदेश ने जीता रजत पदक

50 मीटर राइफल प्रोन सीनियर महिला टीम स्पर्धा में मध्य प्रदेश की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। प्रदेश की टीम ने कुल 1853.1 अंक अर्जित कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। टीम में एशियन गेम्स पदक विजेता आशी चौकसे, अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सुनिधि चौहान एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नूपुर कुमरावत शामिल रहीं। प्रतियोगिता में नूपुर कुमरावत ने व्यक्तिगत स्पर्धा में 624.3 अंक अर्जित कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा शीर्ष खिलाड़ियों में स्थान बनाया। खिलाड़ियों के समन्वय, अनुभव एवं निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन ने मध्यप्रदेश को टीम स्पर्धा में गौरवपूर्ण सफलता दिलाई।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया उच्च स्तरीय कौशल

प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों, रेलवे, सेना, अर्धसैनिक बलों एवं अन्य संस्थानों के खिलाड़ियों ने सहभागिता करते हुए उत्कृष्ट प्रतिस्पर्धात्मक भावना का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की चुनौतियों के लिए तैयार करने के साथ युवाओं में शूटिंग खेल के प्रति रुचि एवं अनुशासन को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राज्य शूटिंग अकादमी लगातार खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएँ एवं उत्कृष्ट मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार कर रही है।

इस अवसर पर नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सचिव राजीव भाटिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पदक प्रदान कर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की तथा खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को अपने कौशल को निखारने एवं बड़े मंचों के लिए तैयार होने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती हैं। मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा खेल अधोसंरचना एवं अकादमियों को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

उद्योग जगत को मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाने की जरूरतः वाणिज्य सचिव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने घरेलू कंपनियों से आग्रह किया कि वे भारत द्वारा हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का लाभ उठाएं और वैश्विक गुणवत्ता मानकों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करें। राजेश अग्रवाल ने नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित 'वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026' को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, हमने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि हम केवल टैरिफ (शुल्क) तक ही सीमित न रहें। हम दोनों पक्षों के उद्योगों को 360-डिग्री की व्यापक पूर्वानुमान क्षमता और स्पष्टता प्रदान करते हैं, ताकि वे वास्तव में इन एफटीए का लाभ उठा सकें और ऐसे मार्ग प्रशस्त कर सकें, जो अधिक टिकाऊ विकास की ओर ले जाएं। वाणिज्य सचिव ने कहा कि भारतीय उद्योग जगत को इन मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का लाभ उठाने और उनका उपयोग करने की आवश्यकता है, जिन्हें भारत अंतिम रूप दे रहा है। ये समझौते व्यापार और निवेश, दोनों के लिए बड़े अवसर प्रदान करते हैं। एफटीए का पूरी तरह से उपयोग करने और लाभ उठाने का देश का पिछला रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि देश की औद्योगिक नीति को उसकी व्यापार नीति का पूरक होना चाहिए, क्योंकि व्यापार इस बात पर भी निर्भर करता है कि भारत कैसे निवेश और उत्पादन करता है।

वैल्यू 148 कम्युनिकेशंस की स्टॉक मार्केट में कमजोर लिस्टिंग, अपर सर्किट के बावजूद घाटे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। मार्केटिंग और पीआर सॉल्यूशन कंपनी वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 98 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 78.40 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर गिर कर 74.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक आ गया। हालांकि इसके बाद खरीदारों की लिवाली से लोअर सर्किट कुछ देर में ही ब्रेक हो गया। लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 82.30 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया और उसी स्तर पर बंद हुआ। अपर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक फिलहाल 16.02 प्रतिशत के नुकसान में थे। वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस का 41.69 करोड़ रुपये का आईपीओ चार से छह मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 17 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.24 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

शेयर बाजार के लिए ब्लैक मंडे बना आज का दिन, निवेशकों के 5.68 लाख करोड़ स्वाहा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव को टालने के लिए प्रस्तावित शांति वार्ता के एक बार फिर टल जाने, कच्चे तेल की कीमत में उछाल आने और कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण घरेलू शेयर बाजार के लिए आज का दिन ब्लैक मंडे बन गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव में दोपहर 11 बजे तक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल कमजोर होती गई। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे बाजार में कुछ सुधार भी हुआ। हालांकि दोपहर दो बजे के बाद एक बार फिर बिकवाली का जबरदस्त दबाव बन गया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक 1.50 प्रतिशत से भी अधिक की कमजोरी का शिकार हो गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.70 प्रतिशत और निफ्टी 1.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसी तरह आईटी, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए।

देश की आर्थिक वृद्धि दर 2026-27 में 6.6 फीसदी रहने का अनुमानः एसबीआई रिसर्च

नई दिल्ली। वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि दर वित्त वर्ष 2026-27 में 6.6 फीसदी रहने का अनुमान है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) रिसर्च की जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। एसबीआई रिसर्च की ओर से जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक मजबूत घरेलू मांग, कृषि एवं गैर-कृषि गतिविधियों से ग्रामीण उपभोग में तेजी के कारण यह वृद्धि लचीली बनी हुई है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार अपना लचीलापन दिखा रहा है। वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 6.6 फीसदी रहने का अनुमान है। रुपये की विनिमय दर में गिरावट और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों को देखते हुए भुगतान संतुलन के मोर्चे पर व्यापक कदम उठाने की आवश्यकता है।

एआई, सेमीकंडक्टर और रेलवे भारत के अगले चरण के बदलाव का नेतृत्व करेंगे : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वैश्विक अस्थिरता का भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूती से सामना किया है और एआई, सेमीकंडक्टर और रेलवे अगले चरण के बदलाव का नेतृत्व करेंगे। राष्ट्रीय राजधानी में सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026 के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रेलवे सेक्टर में बदलाव की गति असाधारण है। पूंजीगत खर्च पिछले वित्त वर्ष में 2,72,000 करोड़ रुपए रहा है, जो कि कुछ वर्षों पहले 66,000 करोड़ रुपए पर था। वैष्णव ने कहा, 'पूरे रेलवे सिस्टम की निष्पादन क्षमता में एक साथ विस्तार हुआ है, जो परियोजना कार्यान्वयन और वितरण में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन

को दर्शाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'लगभग 49,000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण किया जा चुका है, जो जर्मनी के पूरे रेलवे नेटवर्क के बराबर है। डिब्बों और इंजनों के उत्पादन में भी मजबूत वृद्धि हुई है।'

इसके अतिरिक्त, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश भर में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधाओं की एक नई लहर गुणवत्ता-केंद्रित और किफायती विनिर्माण प्रथाओं को बढ़ावा दे रही है, जो तकनीकी रूप से उन्नत और आत्मनिर्भर भारत की नींव रख रही है।

वैष्णव ने एआई को इतिहास की सबसे क्रांतिकारी तकनीकी क्रांतियों में से एक बताते हुए कहा कि एआई अभूतपूर्व गति से दुनिया को नया आकार दे रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, 'भारत को एआई के प्रति एक स्पष्ट और रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि देश इस तकनीक का लाभ उठाकर सभी क्षेत्रों में उत्पादकता, गुणवत्ता और उत्पादन दक्षता में सुधार करे।' उन्होंने आगे कहा, 'वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितता और निरंतर संघर्षों के मद्देनजर, प्रधानमंत्री की राष्ट्र के नाम की अपील आज और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।'

भारत की ऊर्जा आयात पर भारी निर्भरता और आर्थिक स्थिरता के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे विदेशी मुद्रा बहिर्वाह को बढ़ावा देने वाले खर्चों को कम करके और साथ ही विदेशी मुद्रा अर्जित करने और भंडार को मजबूत करने के प्रयासों को बढ़ाकर योगदान दें।

असम के लिए लगभग दो लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं : नितिन गडकरी

एजेंसी

गुवाहाटी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्गमंत्री नितिन गडकरी ने आज यहां कहा कि असम में लगभग दो लाख करोड़ रुपये की आधारभूत संरचना परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार राज्य के लोगों के भरोसे पर पूरी तरह खरी उतरेगी और विकास की गति को और तेज करेगी।

मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए गुवाहाटी पहुंचे गडकरी ने संवाददाताओं से कहा कि असम की जनता ने लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि राज्य में विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे और केंद्र सरकार असम को आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। गडकरी ने कहा कि उनके मंत्रालय की ओर से ही लगभग दो लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की योजना तैयार की जा रही हैं। इन परियोजनाओं से राज्य में सड़क संपर्क, परिवहन व्यवस्था और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

ओआरडी एक्ट में बदलाव से ऑयल-गैस सेक्टर में शुरू हुआ सुधारों का नया दौर : हरदीप सिंह पुरी

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने भारत के तेल और गैस सेक्टर को मजबूत बनाने की दिशा में एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 'एक्स' पोस्ट के जरिए जानकारी दी कि सरकार ने तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास) संशोधन अधिनियम (ओआरडी एक्ट) और पीएनजी नियम में 2025 में किए गए संशोधनों के बाद अब रॉयल्टी दरों और उनकी व्यवस्था को तर्कसंगत और एक समान बनाया है। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया यह फैसला देश के अपस्ट्रीम ऑयल और गैस सेक्टर के लिए एक नए दौर की शुरुआत करेगा। उन्होंने बताया कि कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और केसिंग हेड कंडेनसेट के लिए रॉयल्टी दरों और उनकी गणना की प्रक्रिया में लंबे समय से चली आ रही असमानताओं को खत्म किया गया है। सरकार के अनुसार, सेक्शन 6ए के तहत

संशोधित शेड्यूल अब अलग-अलग नीतियों और कॉन्ट्रैक्ट व्यवस्थाओं में मौजूद अंतर को समाप्त करेगा। इससे निवेशकों को एक स्थिर, पारदर्शी और भरोसेमंद नीति ढांचा मिलेगा, जिससे वे लंबे समय की योजना और निवेश आसानी से कर सकेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह फैसला पिछले एक दशक से चल रहे उस प्रयास का नतीजा है, जिसका उद्देश्य जटिल नियमों की जगह सरल और एकरूप व्यवस्था लागू करना था। सरकार का मानना है कि इससे देश में एक्सप्लोरेशन और प्रोडक्शन सेक्टर को नई रफ्तार मिलेगी और घरेलू तेल-गैस उत्पादन बढ़ेगा।

सरकार ने इसे 'ऐतिहासिक सुधार, मजबूत ढांचा, मजबूत भारत' की दिशा में बड़ा कदम बताया है। नई नीति के तहत कम और तर्कसंगत रॉयल्टी दरें लागू होंगी, जिससे उद्योग जगत को राहत मिलेगी। साथ ही यह व्यवस्था वैश्विक मानकों के अनुरूप निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक और प्रतिस्पर्धी बनेगी।

केंद्र सरकार का दावा है कि इन सुधारों से भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, विदेशी निवेश बढ़ेगा और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को नई ताकत मिलेगी।

सोने की चमक बढ़ी, चांदी 2.80 लाख रुपए के पार

एजेंसी

मुंबई । सोने और चांदी की शुरुआत मंगलवार को तेजी के साथ हुई और दोनों कीमती धातुओं में 1.33 प्रतिशत तक की बढ़त देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 05 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,53,663 रुपए के मुकाबले 336 रुपए या 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,53,999 रुपए पर खुला। सुबह 10 बजे सोना 561 रुपए या 0.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,54,224 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,53,851 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,54,243 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। चांदी का 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,78,311 रुपए के मुकाबले 1,988 रुपए या 0.70 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,80,229 रुपए पर खुला। खबर लिखे जाने तक चांदी 3,695 रुपए या 1.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,82,006 रुपए पर थी। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,82,755 रुपए का उच्चतम स्तर और 2,79,244 रुपए का न्यूनतम स्तर छुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी में तेजी देखी गई।

कॉमेक्स पर सोना 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,733 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 86 डॉलर प्रति औंस पर थी।

सोने और चांदी में मजबूती की एक वजह वैश्विक स्तर पर अस्थिरता को माना जा रहा है। अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से ईरान का शांति प्रस्ताव खारिज करने के बाद वैश्विक स्तर पर तनाव फिर से बढ़ गया है। दोनों देशों के बीच परमाणु कार्यक्रम, अमेरिकी नाकेबंदी और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम जैसे मुद्दों को लेकर विवाद बना हुआ है।वैश्विक अस्थिरता के चलते सोने ने डॉलर में बीते एक साल में 47 प्रतिशत और पिछले छह महीनों में 12 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, चांदी ने बीते एक साल में चांदी ने 166 प्रतिशत और बीते छह महीने में 63 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

महिंद्रा की नई एसयूवी में मिलेगा दमदार स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इंजन, बाजार में बढ़ेगी बड़ी कंपनियों की चुनौती

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय वाहन बाजार तेजी से बदल रहा है और अब वाहन निर्माता कंपनियां पारंपरिक ईंधन के साथ नई हाइब्रिड तकनीकों पर भी जोर दे रही हैं। इसी दिशा में महिंद्रा एंड महिंद्रा भी बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। कंपनी आने वाले वर्षों में अपनी पहली स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड एसयूवी बाजार में उतार सकती है। माना जा रहा है कि एक्सयूवी 7एक्सओ इस तकनीक के साथ आने वाला कंपनी का पहला मॉडल होगा। नई तकनीक के जरिए कंपनी माइलेज, प्रदर्शन और पर्यावरण के बीच बेहतर संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। महिंद्रा की नई योजना से साफ संकेत मिल रहे हैं कि कंपनी आने वाले समय में केवल विद्युत वाहनों पर ही नहीं, बल्कि हाइब्रिड तकनीक वाले मॉडलों पर भी बड़ा दांव लगाने वाली है। यही वजह है कि कंपनी अपने मौजूदा प्लेटफॉर्म और नई तकनीकों पर लगातार काम कर रही है। स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड तकनीक पर बड़ा दांव मीडिया रिपोर्टों के अनुसार महिंद्रा अपनी आगामी एसयूवी में स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड तकनीक का इस्तेमाल कर सकती है। यह तकनीक ऐसी होती है जिसमें पेट्रोल इंजन के साथ विद्युत मोटर और बैटरी का संयोजन दिया जाता है। कम दूरी और धीमी रफ्तार पर वाहन केवल विद्युत शक्ति से चल सकता है, जबकि अधिक ताकत की जरूरत होने पर पेट्रोल इंजन काम करता है। बताया जा रहा है कि कंपनी अपनी एक्सयूवी 7एक्सओ में 2.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ एक विद्युत मोटर और छोटी बैटरी का उपयोग कर सकती है। इससे वाहन को बेहतर ईंधन दक्षता के साथ मजबूत प्रदर्शन भी मिलेगा। माना जा रहा है कि यह एसयूवी वर्ष 2027 के आसपास भारतीय बाजार में पेश की जा सकती है। नई हाइब्रिड प्रणाली की खासियत यह होगी कि वाहन कम दूरी तक केवल बैटरी और विद्युत मोटर की सहायता से चल सकेगा। इससे शहरों में चलाने के दौरान ईंधन की खपत कम होगी। वहीं लंबी दूरी या अधिक गति की स्थिति में पेट्रोल इंजन स्वतः सक्रिय होकर पहियों को ताकत देगा। इस तकनीक को उन ग्राहकों के लिए खास माना जा रहा है जो पूरी तरह विद्युत वाहन खरीदने को लेकर अभी असमंजस में हैं।

रेंज बढ़ाने वाली तकनीक पर भी काम

महिंद्रा केवल स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड तकनीक तक सीमित नहीं रहना चाहती। कंपनी रेंज बढ़ाने वाली नई तकनीक पर भी काम कर रही है। इस प्रणाली में पेट्रोल इंजन सीधे पहियों को ताकत नहीं देता, बल्कि बैटरी को चार्ज करने का काम करता है। वाहन पूरी तरह विद्युत प्रणाली पर ही चलता रहता है, लेकिन इंजन बैटरी की ऊर्जा खत्म होने से पहले उसे दोबारा चार्ज करता रहता है। माना जा रहा है कि एक्सईवी 9ई इस तकनीक के साथ आने वाला पहला मॉडल बन सकता है। इससे वाहन की कुल दूरी बढ़ जाएगी और लंबे सफर में चार्जिंग को लेकर चिंता कम होगी।

नई तकनीक की परीक्षण प्रक्रिया शुरू

रिपोर्टों के मुताबिक कंपनी ने रेंज बढ़ाने वाली हाइब्रिड तकनीक का परीक्षण शुरू कर दिया है। इसके लिए 1.2 लीटर और 1.5 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजनों का मूल्यांकन किया जा रहा है। नई तकनीक को अपनाने के लिए प्लेटफॉर्म में बड़े बदलाव किए जा सकते हैं, ताकि इंजन, गियरबॉक्स और निकास प्रणाली को बेहतर तरीके से जोड़ा जा सके। महिंद्रा आने वाले समय में अपनी लोकप्रिय ऑफ-रोडर थार का विद्युत संस्करण भी ला सकती है। कंपनी ने पहले थार.ई कॉन्सेप्ट मॉडल को प्रदर्शित किया था, जिसने काफी चर्चा बटोरी थी। यह पांच दरवाजों वाला विद्युत ऑफ-रोड वाहन होगा, जिसे खास तौर पर कठिन रास्तों और साहसिक यात्रा के लिए तैयार किया जाएगा।

देश के विद्युत क्षेत्र को मजबूत करने के 21 वर्ष पूरे होने का मनाया गया जश्न

एजेंसी

नई दिल्ली। विनियामक मंच ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में अपनी 100वीं बैठक के साथ देश के विद्युत क्षेत्र को मजबूत करने के 21 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। 2005 में स्थापित इस मंच ने बिजली क्षेत्र में सुधार, टैरिफ युक्तिकरण और नीतिगत समन्वय में अहम भूमिका निभाई। विनियामक मंच ने आज भारत मंडपम में सफलतापूर्वक अपनी 100वीं बैठक आयोजित की, जो इसकी 21 वर्षों की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वर्ष 2005 में स्थापित 'विनियामक मंच' एक वैधानिक मंच के रूप में कार्य करता है, जो विद्युत क्षेत्र में विनियामक प्रथाओं के समन्वय और सुधार के लिए केंद्रीय और राज्य विद्युत विनियामक आयोगों को एक साथ लाता है। विद्युत मंत्रालय ने बताया कि इन वर्षों में इस मंच ने

71 अध्ययन, 55 क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए हैं, 25 आदर्श विनियम जारी किए हैं और 6 तकनीकी समिति रिपोर्ट व 37 कार्य समूह रिपोर्ट प्रस्तुत की हैं। इन पहलों ने देश में विद्युत क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा, भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन और टीईआरआई के विशिष्ट वक्ता श्री अजय शंकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सीईआरसी/एफओआर के अध्यक्ष जिष्णु बरुआ ने विशिष्ट अतिथियों और एफओआर के सदस्यों का इस 100वीं बैठक में स्वागत किया।

केंद्र ने ऑफशोर और डीपवाटर तेल एवं गैस ब्लॉक पर घटाई रॉयल्टी

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने डीपवाटर और अल्ट्रा-डीपवाटर ऑफशोर ब्लॉक से कच्चे तेल और केसिंग हेड कंडेनसेट उत्पादन पर रॉयल्टी को कम कर दिया है। यह जानकारी सरकार की ओर से ऑयल एंड गैस क्षेत्र में रॉयल्टी को लेकर जारी किए गए नए नोटिफिकेशन में दी गई। नए संशोधित ढांचे के अंतर्गत, डीपवाटर क्षेत्रों के लिए रॉयल्टी कॉमर्शियल उत्पादन शुरू होने के पहले सात वर्षों के लिए 5 प्रतिशत और आठवें वर्ष से अधिक के लिए 10 प्रतिशत निर्धारित की गई है। अल्ट्रा-डीपवाटर क्षेत्रों से कॉमर्शियल उत्पादन पर पहले सात वर्षों तक कोई रॉयल्टी नहीं ली जाएगी। हालांकि, आठ वर्ष के बाद उत्पादन जारी रखने पर 5 प्रतिशत रॉयल्टी देनी होगी।

इसके अलावा, संशोधित रॉयल्टी अनुसूची में विभिन्न व्यवस्थाओं के तहत आवंटित क्षेत्र शामिल हैं, जिनमें राष्ट्रीय तेल कंपनियों को नामांकन-आधारित आवंटन, नई अन्वेषण

लाइसेंसिंग नीति (एनईएलपी) से पहले आवंटित ब्लॉक और हाइड्रोकार्बन अन्वेषण एवं लाइसेंसिंग नीति (एचईएलपी)और डिस्कवर्ड स्मॉल फील्ड (डीएसएफ) नीति के तहत आवंटित क्षेत्र शामिल हैं।

स्थलीय और उथले जल क्षेत्रों के लिए, अधिकांश श्रेणियों में रॉयल्टी दर 12.5 प्रतिशत पर बनी हुई है, जबकि कुछ ऑफशोर और अल्ट्रा-डीपवाटर उत्पादन श्रेणियों पर कम रॉयल्टी लागू होगी। सरकार ने संशोधित ढांचे के तहत निर्दिष्ट कुछ श्रेणियों के लिए 7.5 प्रतिशत की रॉयल्टी दर को भी बरकरार रखा है। सरकार का यह कदम ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में बढ़ती अस्थिरता के कारण दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं दबाव का सामना कर रही हैं।

इसके अलावा, सरकार ने कहा है कि हमारे पास पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त भंडार है और घरेलू खाना पकाने के लिए एलपीजी की आपूर्ति की जा रही है। इस महीने की शुरुआत में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्षेत्र में संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से अमेरिका द्वारा प्रस्तावित ईरान की प्रतिक्रिया पर असंतोष व्यक्त किया और तेहरान के रुख को 'पूरी तरह अस्वीकार्य' बताया।

इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट के आर्थिक प्रभाव के बीच विदेशी मुद्रा भंडार को बचाने में मदद करने के लिए नागरिकों से गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने, विदेश यात्रा कम करने और ईंधन की खपत कम करने की अपील की थी।

राष्ट्रीय रसायन और उर्वरक लिमिटेड में निकली आपरेटर ट्रेनी की भर्ती

एजेंसी

नई दिल्ली। नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए एक बेहतरीन मौका है। राष्ट्रीय रसायन एवं उर्वरक लिमिटेड (RCFL) ने आपरेटर ट्रेनी (केमिकल) के 188 पदों पर भर्ती निकाली है। आनलाइन आवेदन 11 अप्रैल 2026 से शुरू हो चुके हैं और 12 मई 2026 तक भरे जाएंगे। इच्छुक उम्मीदवार RCFL की आधिकारिक वेबसाइट rcfltd.com पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

ये कर सकते है आवेदन: आवेदन करने के लिए उम्मीदवार के पास तीन में से कोई एक योग्यता होनी चाहिए। पहला, क्रस्र्. (केमिस्ट्री) डिग्री जिसमें फिजिक्स एक विषय हो और साथ में AO (Chemical Plant) ट्रेड की NCVT परीक्षा पास हो। दूसरा, केमिकल इंजीनियरिंग या टेक्नोलॉजी में 3 साल का डिप्लोमा हो और उसके बाद 1 साल का अप्रेंटिस ट्रेनिंग (BOAT के तहत) पूरा किया हो। तीसरा, केमिकल इंजीनियरिंग या टेक्नोलॉजी में 4 साल का या 3.5 साल का सैंडविच डिप्लोमा (फुल टाइम और रेगुलर) हो।

आयु सीमा: आयु सीमा अलग-अलग वर्गों के लिए तय की गई है। सामान्य (अनारक्षित) और ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए अधिकतम आयु 30 वर्ष है, जबकि ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) उम्मीदवारों के लिए यह 33 वर्ष और एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए 35 वर्ष निर्धारित है। इसके अलावा पूर्व सैनिकों, उनके बच्चों और 1984 के दंगा पीड़ित परिवारों के सदस्यों को नियमों के अनुसार 5 वर्ष की अतिरिक्त आयु छूट दी जाएगी।

इतना लगेगा आवेदन शुल्क: इस भर्ती में सामान्य, ईडब्ल्यूएस और ओबीसी (NCL) उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 700 रखा गया है, जबकि एससी, एसटी, महिला और पूर्व सैनिक उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क में पूरी छूट (शून्य शुल्क) दी गई है।

इतना मिलेगा वेतन: चयनित उम्मीदवारों को 6 महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी। इस ट्रेनिंग के दौरान उन्हें हर महीने 22,000 रुपये मिलेंगे और रहने के लिए मुफ्त हॉस्टल (साझा आधार पर) की सुविधा भी दी जाएगी।

व्यापार समझौता के अगले दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी दल के भारत आने की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। व्यापार वार्ता के अगले दौर के लिए अमेरिकी टीम जल्द ही भारत का दौरा कर सकती है। हालांकि, इस अहम दौरे के लिए अभी तक कोई आधिकारिक तारीख तय नहीं की गई है। भारतीय पक्ष ने अंतरिम समझौते के विवरण को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के तहत बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए अप्रैल में वाशिंगटन का दौरा किया था। अब व्यापार वार्ता के लिए अमेरिकी दल के भारत आने की उम्मीद है। फिलहाल कोई तारीख तय नहीं हुई है। अप्रैल की बैठक के बाद दोनों पक्ष व्यापार समझौता बातचीत की गति को बनाए रखने के लिए लगातार संपर्क में रहने पर सहमत हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले महीने दोनों पक्षों के अधिकारियों ने बाजार पहुंच, गैर-शुल्क उपाय, व्यापार में तकनीकी बाधाएं, सीमा शुल्क और कारोबार सुगमता, निवेश प्रोत्साहन और डिजिटल व्यापार जैसे कई क्षेत्रों पर चर्चा की थी। भारत और अमेरिका ने 7 फरवरी को पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार के संबंध में एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे को अंतिम रूप देते हुए एक संयुक्त बयान जारी किया था।

होंडा की नई मोटरसाइकिल में आया अनोखा फीचर, बिना क्लच दबाए बदलेंगे गियर, कीमत भी कर देगी हैरान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दोपहिया बाजार में होंडा ने अपनी नई प्रीमियम एडवेंचर मोटरसाइकिल एनएक्स500 ई-क्लच को पेश कर दिया है। कंपनी की यह नई मोटरसाइकिल आधुनिक तकनीक और आरामदायक सवारी अनुभव के कारण चर्चा में बनी हुई है। खास बात यह है कि इसमें ऐसी प्रणाली दी गई है, जिसकी मदद से चालक बिना क्लच दबाए भी गियर बदल सकता है। नई तकनीक के कारण यह मोटरसाइकिल पारंपरिक मॉडल से अलग पहचान बना रही है। कंपनी ने इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 7.44 लाख रुपये तय की है। यह मोटरसाइकिल सफेद और काले रंग विकल्पों में उपलब्ध होगी तथा इसकी बुकिंग भी शुरू कर दी गई है। नई तकनीक ने बदला गियर बदलने का तरीका होंडा की ई-क्लच प्रणाली को इस मोटरसाइकिल की सबसे बड़ी खासियत माना जा रहा है। इस तकनीक में दो इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लगाए गए हैं, जो मोटरसाइकिल के गियर बदलते समय, रुकने पर और दोबारा चलने के दौरान क्लच को स्वतः नियंत्रित करते हैं। इसका सीधा फायदा यह है कि चालक को हर बार क्लच लीवर दबाने की जरूरत नहीं पड़ती। हालांकि कंपनी ने पारंपरिक अनुभव पसंद करने वाले चालकों के लिए क्लच लीवर और गियर पैडल भी दिया है, जिससे इसे सामान्य तरीके से भी चलाया जा सकता है। होंडा का कहना है कि यह प्रणाली आकार में काफी छोटी है और इससे मोटरसाइकिल के कुल वजन में केवल 3 किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है। अब इस मोटरसाइकिल का कुल वजन 199 किलोग्राम हो गया है। इससे पहले कंपनी अपनी अन्य प्रीमियम मोटरसाइकिलों में भी ई-क्लच तकनीक दे चुकी है, जिसे ग्राहकों से अच्छा प्रतिसाद मिला था।

दमदार इंजन और मजबूत प्रदर्शन

नई एनएक्स500 ई-क्लच में 471 सीसी का ट्विन-सिलेंडर, द्रव-शीतित इंजन लगाया गया है। यह इंजन 8,500 आरपीएम पर 47 हॉर्सपावर की ताकत और 6,500 आरपीएम पर 43 न्यूटन मीटर का टॉर्क पैदा करता है। कंपनी ने इसमें 6-स्पीड गियरबॉक्स दिया है, लेकिन क्लच प्रणाली को नई तकनीक के अनुसार बदला गया है।

लंबी दूरी की यात्रा और खराब रास्तों को ध्यान में रखते हुए इसमें आगे की तरफ यूएसडी फोर्क और पीछे मोनोशॉक सस्पेंशन लगाया गया है। मोटरसाइकिल में आगे 19 इंच और पीछे 17 इंच के मिश्रधातु पहिए दिए गए हैं, जो इसे बेहतर संतुलन और स्थिरता प्रदान करते हैं।

सुरक्षा सुविधाओं पर भी खास ध्यान

नई मोटरसाइकिल में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दोहरे चैनल वाला एबीएस लगाया गया है। आगे की तरफ दो 296 मिमी डिस्क ब्रेक दिए गए हैं, जबकि पीछे 240 मिमी का सिंगल डिस्क ब्रेक मिलता है। इससे तेज रफ्तार में भी मोटरसाइकिल को बेहतर नियंत्रण और सुरक्षित ब्रेकिंग मिलती है।

कीमत ने बढ़ाई चर्चा

होंडा एनएक्स500 ई-क्लच की कीमत को लेकर बाजार में काफी चर्चा हो रही है। नई तकनीक के कारण इसकी कीमत पुराने पारंपरिक क्लच मॉडल की तुलना में लगभग 1.11 लाख रुपये ज्यादा हो गई है। यही वजह है कि कुछ लोग इसे महंगा मान सकते हैं। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला बीएमडब्ल्यू एफ 450 जीएस ट्रॉफी और कावासाकी वर्सिस 650 जैसी प्रीमियम एडवेंचर मोटरसाइकिलों से माना जा रहा है। बीएमडब्ल्यू मॉडल की कीमत इससे काफी कम है, जबकि कावासाकी वर्सिस 650 इससे महंगी श्रेणी में आती है।

होंडा की विश्वसनीयता बनी बड़ी ताकत

हालांकि कीमत अधिक होने के बावजूद होंडा की सबसे बड़ी ताकत उसकी विश्वसनीयता, टिकाऊपन और कम रखरखाव लागत मानी जाती है। लंबे समय से भारतीय बाजार में होंडा ने भरोसेमंद ब्रांड की छवि बनाई है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि नई ई-क्लच तकनीक वाली एनएक्स500 भी ग्राहकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाने में सफल हो सकती है।

कस्टम्स वेयरहाउस में लगी आग से एलपीजी टैंकर में विस्फोट, 35 लोग झुलसे

एजेंसी

क्वेटा । पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के मस्तुंग इलाके में रविवार को एक कस्टम्स वेयरहाउस में आग लगने के बाद एलपीजी टैंकर में विस्फोट हो गया। स्थानीय मीडिया ने जानकारी देते हुए बताया कि हादसे में कम से कम 35 लोग झुलस गए। 'डॉन' अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार को क्वेटा-कराची हाईवे पर स्थित लकपास इलाके के कस्टम्स परिसर में आग लगी। आग तेजी से फैलकर पार्किंग एरिया तक पहुंच गई। वहां कई गाड़ियां इसकी चपेट में आ गईं। देखते ही देखते आग एलपीजी टैंकर तक पहुंच गई, जिससे जोरदार धमाका हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि? एलपीजी से भरा एक टैंकर आग की लपटों में आ गया और पार्किंग एरिया में विस्फोट हो गया, जिससे भारी तबाही हुई। इस आग में अरबों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। घायलों में से चार लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। आग उस गोदाम में लगी थी, जहां कस्टम अधिकारी जब्त किया गया सामान रखते थे, जिसमें कीमती और तस्करी का माल भी शामिल था। देखते ही देखते आग ने कई ट्रकों, दूसरी गाड़ियों और पास में खड़े एलपीजी टैंकर को भी अपनी चपेट में ले लिया। टैंकर में धमाके के बाद हालात और बिगड़ गए। मस्तुंग के डिप्टी कमिश्नर और दूसरे अधिकारी धमाके की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए।

हम पर थोपा गया है ये युद्ध, अगर मजबूर किया तो लड़ेंगे जरूरः ईरान

तेहरान । ईरान ने खुद पर हुई अमेरिकी हमलों को थोपा हुआ युद्ध बताया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि जहां जरूरत होगी वहां कूटनीति से काम लिया जाएगा लेकिन जहां जरूरत पड़ेगी तो देशहित में लड़ने से भी पीछे नहीं हटेंगे। इसके साथ ही उन्होंने उस शांति प्रस्ताव का भी जिक्र किया जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अस्वीकार कर दिया है। प्रस्ताव में लिखी गई उन मांगों का जिक्र किया जो उनके अनुसार 'तर्कसंगत' हैं। तेहरान में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान जब उनसे भविष्य की कार्रवाई को लेकर सवाल किया गया तो कहा कि अगर ईरान को लड़ाई के लिए मजबूर किया गया तो वह लड़ाई लड़ेगा। कूटनीतिक संवाद भी जारी रखने की बात कही। उन्होंने कहा, 'जहां कूटनीति की गुंजाइश होगी, वहां बातचीत का रास्ता भी अपनाया जाएगा। कूटनीति के अपने नियम होते हैं।' बाघेई के अनुसार, तेहरान अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा। ईरानी प्रस्ताव को लेकर पूछे सवाल पर कहा कि 'हमारी मांगें जायज हैं। हम इतना भर चाहते हैं कि युद्ध खत्म हो, नाकाबंदी हटे, समुद्री डकैती रुके, और अमेरिका के दबाव में बैंकों में गलत तरीके से जमा ईरानी संपत्तियों को वापस लिया जाए। '

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप जारी, मृतकों की कुल संख्या हुई 409

ढाका । बांग्लादेश में खसरे का कहर जारी है। खसरे और उससे मिलते-जुलते लक्षणों के कारण 11 और लोगों की मौत हो गई है। इसके साथ ही इस प्रकोप से जुड़ी पुष्ट और संदिग्ध मौतों की कुल संख्या बढ़कर 409 हो गई है। स्थानीय मीडिया ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के हवाले से बताया कि मृतकों की ये संख्या रविवार तक के पिछले 24 घंटों में दर्ज की गईं। डीजीएचएस ने बताया कि चार लोगों की मौत खसरे के कारण हुई इसकी पुष्टि हो चुकी है। इसके साथ ही 15 मार्च के बाद से खसरे से हुई पुष्ट मौतों की कुल संख्या 65 हो गई। वहीं, सात अन्य मृतक संख्या संदिग्ध मामलों से जुड़ी थीं, जिससे मौत का आंकड़ा बढ़कर 344 पहुंच गया। बांग्लादेश के अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' के अनुसार, इसी 24 घंटे की अवधि में 1,503 नए संदिग्ध खसरा मरीज सामने आए, जिसके बाद 15 मार्च से अब तक कुल संदिग्ध मामलों की संख्या 49,159 हो गई है। इनमें से 205 मामलों में खसरे की पुष्टि हुई, जिससे कुल पुष्ट मामलों की संख्या 6,819 तक पहुंच गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 15 मार्च के बाद से खसरे के लक्षणों वाले 34,909 मरीजों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मार्च के मध्य से अब तक बांग्लादेश में 400 से अधिक लोगों की मौत के बाद एक रिपोर्ट में इस प्रकोप को 'टाला जा सकने वाला संकट' बताया गया है।

भारत की वित्तीय मदद से स्कूल निर्माण का काम चालू

काठमांडू । भारत सरकार की वित्तीय मदद से नेपाल के कैलाली जिले स्थित धनगढ़ी उप-महानगरपालिका में एक विद्यालय भवन के निर्माण का कार्य सोमवार को शुरू किया गया। भारतीय दूतावास ने इसकी जानकारी दी। नेपाल स्थित भारतीय दूतावास में प्रथम सचिव नारायण सिंह ने सोमवार को एक कार्यक्रम में सिद्धनाथ माध्यमिक विद्यालय भवन की आधारशिला रखी। इस कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि और अन्य हितधारक भी उपस्थित रहे। दूतावास के बयान अनुसार, विद्यालय भवन का निर्माण भारत सरकार की ओर से हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (एचआईसीडीपी) योजना के तहत लगभग 3.6 करोड़ नेपाली रुपए की वित्तीय मदद से किया जा रहा है। इस परियोजना को धनगढ़ी उप-महानगरपालिका, कैलाली के माध्यम से लागू किया जाएगा। धनगढ़ी उप-महानगरपालिका के मेयर गोपाल हमाल और अन्य हितधारकों ने भारत सरकार के सहयोग की सराहना की। उन्होंने विश्वास जताया कि नए विद्यालय भवन से क्षेत्र के छात्रों और शिक्षकों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा।

चीन दौरे से पहले ट्रंप ने जताई 'अच्छी चीजें' होने की उम्मीद, 17 बड़े बिजनेसमैन के साथ पहुंचेंगे बीजिंग

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 13 से 15 मई तक चीन के दौरे पर रहने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस दौरे पर ईरान के साथ ताजा हालात पर भी चर्चा हो सकती है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ने उम्मीद जताई है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मुलाकात अच्छी रहेगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'मैं चीन के अपने दौरे का बहुत इंतजार कर रहा हूं, यह एक शानदार देश है, जहां के नेता राष्ट्रपति शी हैं, जिनका सभी सम्मान करते हैं। दोनों देशों के लिए बहुत अच्छी चीजें होंगी!' बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ अमेरिका के कई बड़ी बिजनेस हस्तियां भी इस दौरे पर पहुंचने वाली हैं। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ बड़ी अमेरिकी कंपनियों के 17 बड़े कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव भी होंगे।

ट्रंप स्थानीय समयानुसार, मंगलवार को वाशिंगटन से निकलेंगे।

राष्ट्रपति ट्रंप के डेलिगेशन में एप्पल के सीईओ टिम कुक और टेस्ला और स्पेसएक्स के चीफ एलन मस्क के साथ-साथ ब्लैकरॉक, ब्लैकस्टोन, बोइंग, कारगिल, सिटी, सिस्को, कोहेरेंट, जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) एयरोस्पेस, गोल्डमैन सैक्स, इलुमिना, मास्टरकार्ड, मेटा, माइक्रोन, क्वालकॉम और वीजा के सीनियर एग्जीक्यूटिव शामिल होंगे। व्हाइट हाउस की लिस्ट में शामिल एग्जीक्यूटिव के तौर पर ब्लैकरॉक के लैरी फिंक, ब्लैकस्टोन के स्टीफन श्वार्जमैन, बोइंग की केली ऑर्टबर्ग, कारगिल के ब्रायन साइक्स, सिटी की जेन फ्रेजर, सिस्को के चक रॉबिंस, कोहेरेंट के जिम एंडरसन, जीई एयरोस्पेस के एच. लॉरेंस कल्प, गोल्डमैन सैक्स के डेविड सोलोमन, इलुमिना के जैकब थायसेन, मास्टरकार्ड के माइकल मिबैक, मेटा की डिना पॉवेल मैककॉर्मिक, माइक्रोन के संजय मेहरोत्रा, क्वालकॉम के क्रिस्टियानो अमोन और वीजी के रयान मैकइनर्नी शामिल हैं। इससे पहले मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति की जमकर सराहना की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनकी जल्द होने वाली चीन यात्रा में ताइवान और ऊर्जा सुरक्षा सबसे बड़े मुद्दे होंगे।

ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार अब चीन के साथ 'बहुत अच्छा काम' कर रही है। उन्होंने पिछली अमेरिकी सरकारों पर आरोप लगाया कि उन्होंने चीन को अमेरिका का फायदा उठाने दिया। उन्होंने कहा कि हम बहुत कारोबार कर रहे हैं, लेकिन यह समझदारी वाला कारोबार है। पहले के राष्ट्रपति के समय हमसे कई वर्षों तक फायदा उठाया गया, अब हम चीन के साथ अच्छा काम कर रहे हैं। बातचीत के दौरान ट्रंप ने कई बार शी जिनपिंग की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मेरे राष्ट्रपति शी के साथ अच्छे संबंध हैं। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं और उम्मीद है कि वह भी मेरा सम्मान करते हैं।

ईरान का परमाणु प्रस्ताव 'कचरे का एक टुकड़ा', नाजुक हालत में युद्धविरामः डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नए परमाणु प्रस्ताव को 'कचरे का एक टुकड़ा' बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने व्हाइट हाउस में मातृत्व स्वास्थ्य और प्रजनन सेवाओं से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि युद्धविराम 'लाइफ सपोर्ट पर' है। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि तेहरान की परमाणु वार्ता में दी गई नई प्रतिक्रिया 'पूरी तरह अस्वीकार्य' है। यह एक बेवकूफी भरा प्रस्ताव है। ट्रंप ने बताया कि ईरान पहले इस बात पर सहमत हुआ था कि हाल ही में अमेरिकी सैन्य हमलों से क्षतिग्रस्त संवर्धन (एनरिचमेंट) सुविधाओं से 'परमाणु धूल' हटाने की अनुमति देगा, लेकिन बाद में उसने अपना रुख बदल दिया। ट्रंप के अनुसार, बाद में ईरानी अधिकारी इस समझौते से पीछे हट गए क्योंकि वे इसे लिखित रूप में नहीं देना चाहते थे।उन्होंने कहा कि अमेरिका की स्थिति वही है जो पहले थी। मेरा बहुत सीधा-सादा प्लान हैः ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए, हम दुनिया की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं कहूंगा कि युद्धविराम बहुत कमजोर हालत में है। जैसे डॉक्टर आए और कहे कि आपके मरीज के बचने की सिर्फ एक प्रतिशत संभावना है। ट्रंप ने ईरान पर हाल के अमेरिकी सैन्य अभियानों की भी तारीफ की और कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान की क्षमता को बहुत नुकसान पहुंचाया है। उनकी नौसेना खत्म हो चुकी है। उनके पास कोई वायुसेना नहीं है। उनके पास कोई एंटी-एयरक्राफ्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी पायलटों ने हमलों के दौरान बहुत खतरनाक मिशन पूरे किए। उन सभी बमों ने ठीक निशाने पर जाकर काम किया और ग्रेनाइट पहाड़ के अंदर जाकर विस्फोट किया।

विदेश मंत्री जयशंकर ने विज्ञान और गणित में भारत के योगदान को मान्यता देने का किया आग्रह

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने गणित और विज्ञान के इतिहास को लेकर प्रचलित 'एक-आयामी दृष्टिकोण' से आगे बढ़ने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने ऐसी समावेशी और लोकतांत्रिक ऐतिहासिक सोच की वकालत की, जो इन क्षेत्रों में भारत के मूलभूत योगदान को उचित पहचान दे। यहां गणित में भारत के योगदान पर एक एग्जिबिशन का उद्घाटन करते हुए, उन्होंने तीसरी सदी में भारत में विकसित हुए बाइनरी सिस्टम का उदाहरण दिया, जिसकी नींव पर डिजिटल युग और एआई में दुनिया का सफर टिका है। उन्होंने कहा, 'जैसे-जैसे हम एआई के सफर पर निकलेंगे, ये सच और साफ होते जाएंगे, जहां अतीत की हमारी समझ भविष्य के टूल्स से फायदा उठाएगी। यह एग्जिबिशन याद दिलाती है कि गणित यूनिवर्सल है और इसके विस्तार से दुनिया भर में अच्छा काम हुआ है और हो रहा है। ' उन्होंने कहा कि फरवरी में भारत में

हुए एआई इम्पैक्ट समिट ने एक मजबूत मैसेज दिया कि क्रिएटिविटी और इनोवेशन कुछ लोगों तक सीमित नहीं रह सकते। विदेश मंत्री ने कहा, 'अतीत की गलतियों को ठीक करके ही हम भविष्य के मुद्दों को सही तरीके से सुलझा सकते हैं। यह यूएन के लिए मायने रखता है, क्योंकि एक अलग-अलग तरह का और लोकतांत्रिक समूह एक ही तरह की कहानी पर नहीं बन सकता। ' डॉ एस जयशंकर ने आगे कहा, 'हमें यह समझने की जरूरत है कि तकनीक के लोकतंत्रीकरण के लिए, असल में, दुनिया के लोकतंत्रीकरण के लिए, इतिहास के लोकतंत्रीकरण की जरूरत है। ' उन्होंने कहा, 'बहुत लंबे समय से वैज्ञानिक तरक्की को एक छोटी नजर से देखा जाता रहा है, जो समय और भूगोल में सीमित है। ' लेकिन उन्होंने कहा, 'जैसे-जैसे भू-राजनीतिक उथल-पुथल से राजनीतिक और आर्थिक पुनर्संतुलन हो रहा है, यह जरूरी तौर पर सांस्कृतिक पुनर्संतुलन का रास्ता भी बना रहा है और यह अलग-अलग तरह की बातों के लिए जगह बनाकर किया जाएगा।

इजरायली हमले में लेबनान के 6 लोगों की मौत और 7 घायल

एजेंसी

बेरूत । लेबनान के दक्षिणी हिस्से पर इजरायली हमले जारी हैं। एक कस्बे पर इजरायल की ओर से किए गए हवाई हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी एनएनए ने इसकी जानकारी दी। नेशनल न्यूज एजेंसी (एनएनए) के अनुसार पश्चिम बेका में दुश्मन सेना की ओर से निकासी चेतावनी जारी करने के कुछ ही घंटों बाद, दुश्मन के युद्धक विमानों ने पश्चिम बेका के सहमार कस्बे को निशाना बनाया। एनएनए के अनुसार, सोमवार रात इजरायली हमलों ने कफर डूनिन में एक घर को निशाना बनाया। यह कस्बा बेरूत से लगभग 95 किलोमीटर (59 मील) दूर स्थित है। एनएनए के मुताबिक, घायलों को तटीय शहर टायर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। दक्षिणी लेबनान के बिंत जुबैल इलाके में भी इजरायली बलों ने ऐन अल-सगीरा मोहल्ले में कई मकानों को ध्वस्त कर दिया।

इस घटना पर इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। हालांकि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आईडीएफ ने सोहमोर पर हमले को लेकर चेतावनी जरूर दी थी। इलाके के लोगों को शहर को खाली करने की धमकी दी गई थी।

सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में कहा कि यह 'निवासियों के लिए तत्काल चेतावनी' है कि वे बेका घाटी स्थित इस शहर को खाली कर दें और 'कम से कम 1,000 मीटर (0.6 मील) दूर खुले इलाकों' में चले जाएं।

यह आदेश इजरायली सेना द्वारा हाल के महीनों में जारी किए गए ऐसे कई आदेशों में से एक है। इजरायली हमलों की वजह से दक्षिणी लेबनान में, लोग जबरन विस्थापित हो रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, 2 मार्च से अब तक इजरायली हमलों में करीब 2,869 लोगों की मौत हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, लेबनान के सामाजिक मामलों के मंत्रालय ने बताया है कि इजरायली हमलों और सैन्य कार्रवाई के कारण देश में 11 लाख से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं।

हंता वायरस संकटः एमवी होंडियस क्रूज यात्रियों की निकासी, आखिरी दो फ्लाइट्स पहुंचीं नीदरलैंड

एजेंसी

आइंडहोवन । एमवी होंडियस सवार यात्रियों और चालक दल को लेकर अंतिम दो निकासी उड़ानें मंगलवार को नीदरलैंड के आइंडहोवन एयर बेस पर उतरीं। डच विदेश मंत्रालय के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया की ओर से भेजी गई पहली उड़ान में छह यात्री सवार थे। दूसरी उड़ान का संचालन डच सरकार की ओर से किया गया था, जो 22 चालक दल के सदस्यों को लेकर आई। इनमें एक डच नागरिक और 21 अन्य देशों के नागरिक शामिल थे। पहला विमान स्थानीय समयानुसार लगभग रात 12:30 बजे (2330 जीएमटी) उतरा। दूसरी डच उड़ान लगभग 15 मिनट बाद उतरी। डच नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पब्लिक हेल्थ एंड द एनवायरनमेंट ने रविवार को कहा कि सभी यात्रियों की गहन चिकित्सीय जांच की जाएगी। प्रयोगशाला परीक्षण के लिए हवाई अड्डे पर सभी के नमूने लिए जाएंगे। समाचार एजेंसी के अनुसार, एजेंसी ने कहा कि ऐसे चालक दल के सदस्यों और विदेशी

यात्रियों के लिए क्वारंटीन होटल की व्यवस्था की गई है। नियमानुसार फिलहाल ये लोग अपने घर नहीं लौट सकते। इस बीच, एमवी होंडियस के डच संचालक 'ओशनवाइड एक्सपीडिशन्स' ने जारी एक बयान में कहा कि जहाज स्पेन के टेनेरिफ द्वीप से रवाना हो चुका है और नीदरलैंड्स के रॉटरडैम की ओर जा रहा है। जहाज को यह यात्रा पूरी करने में लगभग छह दिन लगने की उम्मीद है और इसके इस रविवार तक पहुंचने की संभावना है।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, हंता वायरस जूनोटिक वायरस हैं, जो प्राकृतिक रूप से रोडेन्ट्स (चूहों आदि) को संक्रमित करते हैं और कभी-कभी इंसानों में भी फैल जाते हैं। इंसानों में संक्रमण गंभीर बीमारी और कई बार मौत का कारण बन सकता है, हालांकि बीमारी का प्रकार वायरस और भौगोलिक क्षेत्र के अनुसार अलग-अलग होता है। अमेरिका महाद्वीप में यह संक्रमण हंता वायरस कार्डियोपल्मोनरी सिंड्रोम (एचसीपीएस) का कारण बन सकता है, जो फेफड़ों और हृदय को तेजी से प्रभावित करता है। वहीं यूरोप और एशिया में यह हेमरेजिक फीवर विद रीनल सिंड्रोम (एचएफआरएस) का कारण बनता है, जो मुख्य रूप से गुर्दों और रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करता है।

हालांकि हंता वायरस रोगों का कोई विशेष उपचार उपलब्ध नहीं है, लेकिन शुरुआती सहायक चिकित्सा देखभाल जीवित रहने की संभावना बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसमें श्वसन, हृदय और गुर्दे संबंधी जटिलताओं की करीबी निगरानी और प्रबंधन शामिल है।

ट्रंप कराएंगे सालाना मेडिकल चेकअप, सेना के जवानों और कर्मचारियों से भी करेंगे मुलाकात

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 26 मई को वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर जाएंगे। व्हाइट हाउस ने बताया कि इस दौरे के दौरान ट्रंप अपना सालाना डेंटल और मेडिकल चेकअप करवाएंगे। इसके साथ ही वह अमेरिकी सेना के जवानों और वहां के कर्मचारियों से भी मुलाकात करेंगे। व्हाइट हाउस के अनुसार, यह दौरा राष्ट्रपति की नियमित स्वास्थ्य देखभाल का हिस्सा है। ट्रंप की सामान्य मेडिकल और डेंटल जांच की जाएगी, ताकि उनकी सेहत पर नजर रखी जा सके। बयान में कहा गया कि ट्रंप वॉल्टर रीड में तैनात सैनिकों और स्टाफ के साथ समय बिताएंगे और देश के लिए उनकी सेवा, पेशेवर कामकाज और समर्पण की सराहना करेंगे। हालांकि, अभी यह नहीं बताया गया है कि राष्ट्रपति वहां कितनी देर रहेंगे। यह भी साफ नहीं किया गया कि जांच के बाद राष्ट्रपति के डॉक्टर उनकी मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक करेंगे या नहीं। व्हाइट हाउस ने कहा है कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम से जुड़ी बाकी जानकारी बाद में साझा की जाएगी। मैरीलैंड के बेथेस्डा शहर में स्थित वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर अमेरिकी सेना का प्रमुख अस्पताल माना जाता है। यहां अक्सर अमेरिकी राष्ट्रपतियों और बड़े सरकारी अधिकारियों की मेडिकल जांच और इलाज होता है। यह अस्पताल युद्ध क्षेत्रों से लौटने वाले घायल सैनिकों के इलाज के लिए भी जाना जाता है। इसके अलावा यहां पूर्व सैनिकों, सक्रिय सैन्य कर्मियों और उनके परिवारों को भी चिकित्सा सेवाएं दी जाती हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति की मेडिकल जांच हमेशा चर्चा का विषय रहती है, क्योंकि इससे लोगों को देश के सर्वोच्च नेता की सेहत और फिटनेस के बारे में जानकारी मिलती है। ट्रंप पहले भी कह चुके हैं कि वॉल्टर रीड में उनकी मेडिकल जांच उनकी नियमित स्वास्थ्य प्रक्रिया का हिस्सा है।

अमेरिकी सीनेटरों ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चीनी कारों को बताया खतरनाक, जासूसी के डर से लगा सकता है बैन

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के सीनेटरों के एक समूह ने राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिम, गलत ट्रेड प्रैक्टिस और घरेलू ऑटो इंडस्ट्री के लिए खतरों का हवाला देते हुए अमेरिकी सड़कों से चीनी कनेक्टेड गाड़ियों, सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर पर बैन लगाने के लिए कानून पेश किया है। अमेरिका के सीनेटरों ने कनेक्टेड व्हीकल सिक्योरिटी एक्ट को लेकर रविवार को कानून पेश किया। मिशिगन से रिपब्लिकन और चीन पर हाउस सेलेक्ट कमेटी के चेयरमैन कांग्रेसी जॉन मूलेनार ने डेमोक्रेटिक कांग्रेस सीनेटर डेबी डिंगेल के साथ मिलकर प्रस्ताव पेश किया। मूलेनार ने बिल की घोषणा करते हुए एक बयान में कहा, 'अमेरिकी ऑटो इंडस्ट्री नौकरियों, राष्ट्रीय सुरक्षा और अमेरिका के मैन्युफैक्चरिंग बेस के भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। ' उन्होंने कहा, 'चीन हर इंडस्ट्री में अनुचित तरीके अपनाता है और ऑटो सेक्टर में वह गाड़ियों और कंपोनेंट्स का अत्यधिक

उत्पादन कर उन्हें बेहद सस्ते दामों पर बेच रहा है। इसका मकसद हमारी कंपनियों को बाजार से बाहर करना है। ' मूलेनार ने कुछ चीनी कंपनियों पर कीमतों में बढ़त हासिल करने के लिए जबरन मजदूरी का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'कुछ मामलों में सीएटीएल और बीवाईडी जैसी चीनी कंपनियां मेहनती अमेरिकियों की उचित मजदूरी को कमजोर करने के लिए जबरन मजदूरी का इस्तेमाल करती हैं। इन कंपनियों को अमेरिका में कारोबार करने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए और न ही उनके उत्पाद हमारी कारों में इस्तेमाल होने चाहिए या हमारे इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए खतरा बनना चाहिए। ' डेबी डिंगेल ने कहा कि इस कानून का उद्देश्य अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग नौकरियों की रक्षा करना और पिछली औद्योगिक गिरावट जैसी स्थिति को दोबारा होने से रोकना है। उन्होंने कहा, 'यह द्विदलीय कानून चीनी गाड़ियों को हमारे देश में आने से रोकेगा। चीन भारी सरकारी सब्सिडी, अनुचित व्यापारिक तरीकों और जबरन मजदूरी के जरिए हमारे वर्कर्स को नुकसान पहुंचा रहा है। ' डेबी डिंगेल ने आगे कहा, 'मुझे उन गलतियों को दोहराने में कोई दिलचस्पी नहीं है, जिन्होंने इस देश की मैन्युफैक्चरिंग कम्युनिटी को खोखला कर दिया, जबकि नेताओं ने श्रमिकों से कहा था कि ग्लोबलाइजेशन किसी तरह अपने आप सब ठीक कर देगा। ' यह बिल 1 जनवरी 2027 से उन कनेक्टेड वाहनों के आयात, निर्माण, बिक्री या अंतरराज्यीय व्यापार पर रोक लगाएगा, जो चिन्हित विदेशी विरोधी देशों से आते हैं या उनके नियंत्रण में हैं। यह कानून खास तौर पर चीन, रूस, उत्तर कोरिया और ईरान को निशाना बनाता है। इसके तहत 2027 से उन देशों से जुड़े कनेक्टेड वाहन सॉफ्टवेयर पर भी प्रतिबंध लगाया ।

होर्मुज स्ट्रेट को सुरक्षित और खुला बनाए रखने पर जोर, रुबियो ने की यूके और ऑस्ट्रेलिया से बातचीत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग बातचीत की। इन चर्चाओं में मुख्य रूप से ईरान और होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही को सुरक्षित और खुला बनाए रखने पर जोर दिया गया। अमेरिकी विदेश विभाग ने इसकी जानकारी दी है। मार्को रुबियो ने ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और ब्रिटेन की विदेश सचिव यवेट कूपर से बातचीत की। अमेरिका इस समय अपने करीबी सहयोगी देशों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा और समुद्री स्थिरता को लेकर लगातार चर्चा कर रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट के मुताबिक, रुबियो और पेनी वोंग ने 'स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र' को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि रुबियो ने अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया गठबंधन को क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया। दोनों नेताओं ने ईरान और होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही को सामान्य और सुरक्षित बनाए रखने की कोशिशों पर भी चर्चा की। इसके अलावा, रुबियो ने ब्रिटेन की विदेश सचिव इवेट कूपर से भी अलग से बात की। इस बातचीत में भी ईरान और होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री मार्गों को खुला रखने का मुद्दा प्रमुख रहा। हालांकि, अमेरिकी विदेश विभाग ने यह नहीं बताया कि इन बैठकों में कौन-कौन से सैन्य या कूटनीतिक कदमों पर चर्चा हुई। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में गिना जाता है। यह संकरा समुद्री मार्ग फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। दुनिया भर में भेजे जाने वाले तेल का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होकर गुजरता है। अगर इस समुद्री रास्ते में किसी तरह की रुकावट आती है, तो उसका असर दुनिया के तेल बाजार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर तेजी से पड़ सकता है। भारत भी इस क्षेत्र पर करीबी नजर रखता है, क्योंकि यह अपनी जरूरत का काफी कच्चा तेल खाड़ी देशों से आयात करता है। ऑस्ट्रेलिया इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अमेरिका का बड़ा सहयोगी माना जाता है। वह क्वाड समूह का भी सदस्य है, जिसमें भारत, जापान और अमेरिका शामिल हैं। वहीं, ब्रिटेन ने भी पिछले कुछ वर्षों में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अपनी रणनीतिक मौजूदगी बढ़ाई है और वह अमेरिका का अहम सुरक्षा साझेदार बना हुआ है।

अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण नेपाल की कई बड़ी परियोजनाएं ठप

एजेंसी

काठमांडू। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, विशेषकर ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका से जुड़े संघर्ष के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होने वाले वैश्विक तेल परिवहन मार्ग प्रभावित हुए हैं, जिसका असर नेपाल के निर्माण और यातायात क्षेत्र पर भी पड़ने लगा है। अधिकारियों के अनुसार पेट्रोलियम पदार्थों, विशेषकर सड़क निर्माण में उपयोग होने वाले बिटुमिन की कमी और कीमतों में वृद्धि के कारण राष्ट्रीय महत्व की कई परियोजनाओं का काम रोकना पड़ा है। नारायणघाट-बुटवल सड़क विस्तार परियोजना के पूर्वी खंड के सूचना अधिकारी इंजीनियर शिव खनाल ने बताया कि डीजल और पेट्रोल की कीमत बढ़ने के साथ-साथ बिटुमिन की कमी का सबसे गंभीर असर पड़ा है, जिससे सड़क की अंतिम सतह बिछाने का काम ठप हो गया है। एशियाई विकास बैंक की सहायता तथा दक्षिण एशियाई उप-क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग ढांचे के तहत शुरू की गई इस परियोजना का उद्देश्य पूर्व-पश्चिम राजमार्ग के लगभग 115 किलोमीटर हिस्से को चार लेन वाले मार्ग में बदलना है। 65 किलोमीटर लंबे नारायणघाट-दाउन्ने खंड में लगभग 98 प्रतिशत संरचनात्मक और पिचिंग कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन अंतिम ब्लैकटॉप की परत अभी बाकी है। हालांकि इस खंड में वाहनों की आवाजाही अधिकांशतः प्रभावित नहीं हुई है।

अमेरिका ने यूएन के माइग्रेशन डिक्लेरेशन को किया खारिज, रुबियो ने बड़े पैमाने पर प्रवासन को बताया बड़ी गलती

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका में माइग्रेशन एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। इसे लेकर विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि बड़े पैमाने पर अमेरिका में प्रवासियों को आने देना एक बड़ी गलती थी। यह हमारे समाज की एकता और हमारे लोगों के भविष्य के लिए खतरा है। अमेरिका की ट्रंप सरकार ने यूएन माइग्रेशन डिक्लेरेशन (जीसीएम) को खारिज कर दिया। अमेरिकी राज्य विभाग ने इस मामले में एक तीखा बयान जारी किया है। अमेरिकी राज्य विभाग ने कहा कि अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय माइग्रेशन रिव्यू फोरम में हिस्सा नहीं लिया और 8 मई के प्रोग्रेस डिक्लेरेशन का समर्थन नहीं करेगा।' अमेरिकी सरकार ने कहा कि उसने ग्लोबल माइग्रेशन फ्रेमवर्क से जुड़े संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों का लगातार विरोध किया है। बयान में कहा गया, 'अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र के उन प्रयासों पर लगातार एतराज जताया है, जिनमें यूएस और पूरे पश्चिम में रिप्लेसमेंट इमिग्रेशन का समर्थन करने और आसान बनाने की कोशिशें शामिल हैं। ' इसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 2017 के उस फैसले का भी जिक्र किया गया, जिसमें उन्होंने माइग्रेशन को लेकर ग्लोबल कॉम्पैक्ट को खारिज कर दिया था। बयान में आगे कहा गया, 'बीते सालों ने ग्लोबल माइग्रेशन फ्रेमवर्क के विरोध की समझदारी को साबित कर दिया है। ' सरकार ने यूएन एजेंसियों और उनके साझेदारों पर अमेरिका में बड़े पैमाने पर माइग्रेशन में मदद करने का आरोप लगाया। बयान के मुताबिक, अमेरिकियों ने सीमा पर अपराध और अफरा-तफरी, बड़े शहरों में इमरजेंसी की हालत और टैक्सपेयर्स के अरबों डॉलर माइग्रेंट्स के लिए होटल, प्लेन टिकट, सेल फोन और कैश कार्ड पर खर्च होते देखे हैं। अमेरिकी राज्य विभाग ने आरोप लगाया गया कि यूएन से जुड़ी कोशिशों ने न सिर्फ हमारे देश पर हमले को आसान बनाया, बल्कि हमारे अपने लोगों की दौलत और रिसोर्स को दुनिया के सबसे बुरे कोनों से आए लाखों विदेशियों में बांट दिया। '

अमेरिका ने माइग्रेशन मैनेजमेंट के लिए संयुक्त राष्ट्र के नजरिए को खारिज करते हुए कहा, 'इसमें कुछ भी सुरक्षित, व्यवस्थित या नियमित नहीं था। '

इसमें आगे कहा गया, 'इसका खर्च मुख्य रूप से उन कामकाजी अमेरिकियों को उठाना पड़ा जिन्हें कम नौकरियों, घरों और सोशल सर्विस के लिए मुकाबला करने के लिए मजबूर होना पड़ा। यूएन के पास उनके बारे में कहने के लिए बहुत कम है। ' यूएस की सरकार ने कहा कि वह ऐसे किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रक्रिया का समर्थन नहीं करेगी जो इमिग्रेशन नीति पर अमेरिका की संप्रभुता को सीमित कर सकता है। बयान में कहा गया, 'राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकियों के हितों पर फोकस कर रहे हैं, न कि विदेशियों या ग्लोबलिस्ट ब्यूरोक्रेट्स पर। अमेरिका ऐसे किसी प्रक्रिया का समर्थन नहीं करेगा जो खुले तौर पर या चुपके से ऐसी गाइडलाइंस, स्टैंडर्ड्स या कमिटमेंट्स थोपता हो जो अमेरिकी लोगों के हमारे देश के सबसे अच्छे हित में फैसले लेने की संप्रभुता, लोकतांत्रिक अधिकार को रोकते हों। ' सरकार ने इमिग्रेशन नीति के लिए और सख्त अप्रोच का भी संकेत देते हुए कहा, 'हमारा मकसद माइग्रेशन को मैनेज करना नहीं है, बल्कि रीमाइग्रेशन को बढ़ावा देना है। ' अंतरराष्ट्रीय माइग्रेशन रिव्यू फोरम, माइग्रेशन के मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए 2018 में अपनाए गए यूएन ग्लोबल कॉम्पैक्ट फॉर सेफ, ऑर्डरली एंड रेगुलर माइग्रेशन से जुड़ा है। यह कॉम्पैक्ट नॉन-बाइंडिंग है, लेकिन राष्ट्रीय संप्रभुता और बॉर्डर कंट्रोल को लेकर चिंताओं को लेकर कई कंजर्वेटिव सरकारों ने इसकी आलोचना की है।

page 1 and 8 may 13_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/13/2026 1:09 AM Page 2

स्थानीय समाचार

विधायक डॉ. भारत भूषण ने कठुआ में विकास कार्यों की समीक्षा की, गुणवत्ता और समयबद्धता पर दिया जोर

कठुआ, 12 मई (हि.स.)। कठुआ विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. भारत भूषण ने मंगलवार को डीसी ऑफिस कॉम्प्लेक्स कठुआ में पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र में चल रहे और प्रस्तावित विकास कार्यों की समीक्षा की।बैठक के दौरान विधायक ने विभिन्न वार्डों और ग्रामीण इलाकों में चल रहे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने सड़कों, गलियों, नालियों, पुलियों तथा अन्य जनहित से जुड़े कार्यों को समय पर पूरा करने पर विशेष जोर दिया ताकि आम जनता को बिना किसी देरी के लाभ मिल सके। डॉ. भारत भूषण ने अधिकारियों को

निर्देश दिए कि सभी विकास कार्यों में गुणवत्ता मानकों का सख्ती से पालन किया जाए और कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनकल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है और विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं।

विधायक ने चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा के साथ-साथ नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए नए प्रस्तावों पर भी चर्चा की। उन्होंने लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने और स्थानीय प्रतिनिधियों व लोगों के साथ समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता इंजीनियर रोहित गुप्ता सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विधायक को आश्वस्त किया कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरे किए जाएंगे। बैठक के बाद विधायक डॉ. भारत भूषण ने कार्यकारी अभियंता के साथ शहर के मूनलाइट सिनेप्लेक्स के पास का दौरा भी किया जहां नाली जाम होने के कारण गंभीर स्वास्थ्य खतरा उत्पन्न हो रहा है। विधायक ने दुकानदारों को भरोसा दिलाया कि इस समस्या का जल्द समाधान किया जाएगा।

लंबरदार के घर में घुसा तेंदुआ, मचा हड़कंप, कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू

कठुआ/हीरानगर, 12 मई (हि.स.)। जिले के हीरानगर क्षेत्र के पक्का कोठा गांव में मंगलवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब एक खतरनाक तेंदुआ स्थानीय लंबरदार दविंदर सिंह के घर में घुस गया। तेंदुए की मौजूदगी की खबर फैलते ही पूरे गांव में दहशत का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तेंदुआ घर के भीतर बने मवेशी शेड में जा छिपा। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए परिवार के सदस्यों ने सूझबूझ दिखाते हुए शेड का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया जिससे तेंदुआ बाहर न निकल सके और कोई बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही वन्यजीव विभाग, पुलिस और प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान तेंदुआ काफी आक्रामक नजर आया जिसके चलते टीम को उसे काबू में करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। अंततः ट्रैंक्विलाइजर गन की मदद से तेंदुए को बेहोश किया गया। बेहोशी के बाद टीम ने सावधानीपूर्वक तेंदुए को पिंजरे में डालकर कब्जे में ले लिया।

वन्यजीव विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तेंदुए को सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाएगा। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बना रहा, हालांकि ग्रामीणों ने समय पर पहुंचकर सफल रेस्क्यू करने के लिए वन्यजीव विभाग की सराहना की।

क्लीन जम्मू, ग्रीन जम्मू अभियान की शुरुआत की घोषणा की

जम्मू,, 12 मई (हि.स.)। जम्मू नगर निगम ने शहर को स्वच्छ, हरित और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से क्लीन जम्मू, ग्रीन जम्मू अभियान की शुरुआत करने की घोषणा की है। इस संबंध में नगर निगम आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर अभियान की रणनीति, स्वच्छता व्यवस्था और जनभागीदारी बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के दौरान आयुक्त ने बताया कि इस विशेष अभियान के तहत जम्मू शहर के 20 से अधिक तालाबों और जल निकायों की सफाई एवं पुनर्स्थापन कार्य जारी है और आने वाले हफ्तों में इसे और तेज किया जाएगा। इन जल स्रोतों के संरक्षण के लिए स्थानीय निवासियों की समितियां बनाई जाएंगी जो इनकी देखभाल और रखरखाव की जिम्मेदारी संभालेंगी।

डॉ. यादव ने बताया कि आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए शहर के विभिन्न हिस्सों में 40 हजार से अधिक पेड़ और पौधे लगाए जाएंगे। इसके साथ ही नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली भी शुरू की गई है जिसके तहत लोग पौधारोपण अभियान से जुड़ सकते हैं और एक पेड़ को गोद ले सकते हैं। हर पेड़ को क्यूआर कोड से जोड़ा जाएगा जिससे उसकी देखभाल की निगरानी की जा सकेगी।

नगर निगम ने यह भी बताया कि खाली स्थानों पर फूलदार और सजावटी पौधे लगाए जाएंगे ताकि शहर की सुंदरता और हरित आवरण बढ़ाया जा सके। वहीं भवन उपविधियों में संशोधन कर अब नागरिकों को ऑनलाइन भवन नक्शे अपलोड करने और स्वयं प्रमाणन की सुविधा दी गई है। इसके अलावा नए भवनों में वर्षा जल संचयन प्रणाली को अनिवार्य कर दिया गया है। नगर निगम आयुक्त ने नागरिकों, सामाजिक संगठनों और युवाओं से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि जम्मू को स्वच्छ और हरित शहर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं।

अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस पर सर्विस रूल की मांग को लेकर स्वास्थ्य कर्मियों का विरोध तेज

कठुआ, 12 मई (हि.स.)। अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस के अवसर पर जहां नर्सिंग स्टाफ को सम्मानित किया जाना चाहिए था, वहीं जीएमसी कठुआ में नॉन-गैजेटेड स्वास्थ्य कर्मियों ने इस दिन को ब्लैक डे के रूप में मनाते हुए सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दूसरे दिन कर्मचारियों ने हाथों में काली पट्टियां बांधकर अपनी मांगों को लेकर धरना दिया।

स्वास्थ्य कर्मियों का कहना है कि वे पिछले 7 वर्षों से सर्विस रूल बनाए जाने की मांग को लेकर लगातार सरकार से संपर्क कर रहे हैं लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि नर्सिंग दिवस जैसे महत्वपूर्ण दिन पर भी उन्हें अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने बताया कि जीएमसी कठुआ में स्टाफ की भारी कमी है। एक-एक कर्मचारी पर 30 से 40 मरीजों की जिम्मेदारी होती है जिससे कार्य का दबाव अत्यधिक बढ़ जाता है। इसके बावजूद भी वे दिन-रात अपनी सेवाएं दे रहे हैं लेकिन सरकार उनकी समस्याओं की अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि नॉन-गैजेटेड स्टाफ में नर्सिंग, टेक्नीशियन, क्लर्क, एमटीएस और ड्राइवर सभी शामिल हैं जिन्हें अब तक सर्विस रूल न बनने के कारण अपने भविष्य को लेकर असमंजस और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों के अनुसार जब तक सर्विस रूल फ्रेम नहीं होते तब तक उनका भविष्य अंधकार में ही रहेगा। स्वास्थ्य कर्मियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो वे इससे भी अधिक उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

बसोहली में जनगणना 2027 की तैयारियां तेज, 17 मई से शुरू होगी सेल्फ एन्यूमरेशन प्रक्रिया

कठुआ/बसोहली, 12 मई (हि.स.)। नगर परिषद बसोहली के अंतर्गत आने वाले सभी निवासियों को सूचित किया गया है कि जनगणना 2027 को दो चरणों में आयोजित की जाएगी। इसके तहत पहला चरण सेल्फ एन्यूमरेशन 17 मई से 31 मई 2026 तक चलेगा जबकि दूसरा चरण हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग जनगणना 1 जून से 30 जून 2026 तक संपन्न किया जाएगा।

प्रशासन की ओर से जारी जानकारी के अनुसार नागरिक स्वयं ऑनलाइन माध्यम से जनगणना प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

इसके लिए वे मोबाइल, लैपटॉप या डेस्कटॉप के जरिए आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जनगणना के दौरान नियुक्त कर्मचारी केवल निर्धारित प्रश्न ही पूछेंगे और किसी भी प्रकार के अतिरिक्त दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी। लोगों से अपील की गई है कि वे इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में सहयोग करें ताकि सटीक और विश्वसनीय आंकड़े एकत्र किए जा सकें।

प्रशासन ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित तिथियों के अनुसार समय पर अपनी जानकारी उपलब्ध कराएं और जनगणना 2027 को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

सत्यमेव जयते
ग्रामीण विकास मंत्रालय
भारत सरकार

ग्रामीण रोज़गार की नई गारंटी
विकसित भारत - जी राम जी एक्ट
1 जुलाई, 2026 से पूरे देश में लागू

रोज़गार गारंटी अब पहले से हुई बेहतर

रोज़गार की गारंटी और
आजीविका विकास के अवसर

125 दिन का विश्वास
पहले जैसा भरोसा, अब और बढ़ा

मज़दूरी का भुगतान अब
15 दिनों के भीतर

125 दिन
की रोज़गार गारंटी
1 जुलाई, 2026 से

जल सुरक्षा एवं जल संबंधी कार्यों को मिलेगा बढ़ावा

गांवों में मज़बूत बुनियादी ढांचे का निर्माण

आजीविका के अवसरों का होगा विस्तार

प्रतिकूल मौसमीय घटनाओं से बचाव की तैयारी

CBC 35101/13/0001/2627

रोज़गार से विकसित गांव
और विकसित गांव से विकसित राष्ट्र निर्माण